हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:34 ए एम
सूर्यास्तः 07:02 पी एम
तिथिः दशमी - 07:24 पी एम तक
नक्षत्रः मघा - 06:40 पी एम तक
योगः ध्रुव - 08:22 पी एम तक
करणः बालव - 07:03 ए एम तक
द्वितीय करणः कौलव - 07:24 पी एम तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 111 • पृष्ठ 8 • बुधवार 11 मई 2022 • मूल्य 2 रुपये | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार, रुड़की रेलवे स्टेशनों के साथ धार्मिक स्थलों को बम से उड़ाने की धमकी, प्रशासन अलर्ट

हरिद्वार। रुड़की रेलवे स्टेशन अधीक्षक को टूटी-फूटी हिंदी में लिखा हुआ धमकी भरा पत्र मिला है। पत्र भेजने वाले ने खुद को आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का एरिया कमांडर सलीम अंसारी बताकर लक्सर, नजीबाबाद, देहरादून, रुड़की, ऋषिकेश, हरिद्वार रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी है। पत्र में मुख्यमंत्री धामी का भी जिक्र किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पहले भी ऐसी धमकियां मिली हैं। पुलिस पत्र भेजने वाले की जांच पड़ताल में जुट गई है। इसके बाद उत्तराखंड और यूपी के रेलवे स्टेशनों पर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

मोहाली ब्लास्ट में हुआ है टीएनटी का प्रयोग

मोहाली। पंजाब पुलिस के खुफिया विभाग के दफ्तर पर हुए रॉकेट लॉन्चर हमले मे टीएनटी (ट्राइनाइट्रो टोलीन) पदार्थ का प्रयोग हुआ था। यह खुलासा खुद पंजाब पुलिस के डीजीपी वीके भवरा ने किया। मोहाली में विभिन्न विंगों के अधिकारियों के साथ खुफिया दफ्तर के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए भवरा ने कहा कि इस हमले को वह चैलेंज के रूप में ले रहे हैं। पुलिस को हमले से जुड़ी कई लीड मिली हैं। जिन पर पुलिस की टीम काम कर रही हैं। उम्मीद है कि जल्दी ही यह केस हल कर लिया जाएगा। इसे आतंकी हमला न मानने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है, आपको बताया जाएगा कि यह किस तरह का हमला है। डीजीपी करीब ढाई मिनट मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर उन्होंने जिला प्रशासन पुलिस और अन्य टीमों के साथ बैठक की है। डीजीपी ने बताया कि हमलावरों ने रात के समय हमला किया। जिस समय हमला किया गया, उस समय उस कमरे में कोई भी मौजूद नहीं था। पंजाब पुलिस ने हमला होने के बाद कुछ ही घंटों में कई लोगों को राउंडअप किया था।

बिज़नेस

बीएसई सेंसेक्स
54,364.85–105.82 (0.19%)
निफ्टी
16,240.05–61.80 (0.38%)

नहीं रहे संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा

नयी दिल्ली/एजेंसी।

भारतीय संगीतकार और संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा का मुंबई में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। वह पिछले छह महीने से किडनी संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे और डायलिसिस पर थे। पं. शिव कुमार शर्मा के सचिव दिनेश द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक पं. शिव कुमार शर्मा का निधन आज प्रातः 8 से 8.30 बजे के करीब हुआ था। वहीं उनका अंतिम संस्कार उनके आवास राजीव आप्स, जिग जैग रोड, पाली हिल, बांद्रा पर होगा। हालांकि अभी तक अंतिम संस्कार के समय की घोषणा नहीं की गई है। बता दें कि पंडित शिव कुमार शर्मा का सिनेमा जगत में अहम योगदान रहा। बॉलीवुड में 'शिव-हरी' नाम से मशहूर शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया की जोड़ी ने कई सुपरहिट गानों में संगीत दिया था। इसमें से सबसे प्रसिद्ध गाना फिल्म 'चांदनी' का 'मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियां' रहा, जो दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी पर फिल्माया गया था।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पंडित शिव कुमार शर्मा का 15 मई को कॉन्सर्ट होने वाला था। सुरों के सरताज को सुनने के लिए कई लोग बेताब थे। शिव-हरि (शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया) की जुगलबंदी से अपनी शाम रौनक करने के लिए लाखों लोग इंतजार कर रहे थे। लेकिन अफसोस इवेंट से कुछ दिन पहले ही शिव कुमार शर्मा ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।

विशाल डडलानी ने दुख जताते हुए लिखा, संगीत जगत को एक और बड़ी क्षति। पंडित शिव कुमार शर्मा अपूरणीय हैं। उनके वादन ने भारतीय संगीत के साथ-साथ संतूर को भी फिर से परिभाषित किया। पं हरिप्रसाद चौरसिया जी के साथ उनके फिल्मी गाने।। भगवान उनके परिवार, प्रशंसकों और छात्रों को शक्ति दे।

पंडित शिवकुमार शर्मा को श्रद्धांजलि देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा, पंडित शिवकुमार शर्मा जी के निधन से हमारी सांस्कृतिक दुनिया पर गहरा असर पड़ेगा है। उन्होंने संतूर को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाया। उनका संगीत आने वाली पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध करता रहेगा। मुझे उनके साथ अपनी बातचीत अच्छी तरह याद है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना।

हिंदू संगठन ने हनुमान चालीसा का पाठ किया, मीनार का नाम विष्णु स्तंभ करने की मांग

नयी दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली स्थित कुतुब मीनार परिसर में हिन्दू संगठनों ने हनुमान चालीसा का पाठ करके इसका नाम विष्णु स्तंभ करने की मांग की है। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट का दावा है कि जैन और हिंदू मंदिरों को तोड़कर कुतुब मीनार को बनाया गया था। पुलिस ने संगठन के कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया है। यह प्रदर्शन उस समय हुआ है, जब ताज महल को तेजो महालय बताकर उसके 22 कमरे खुलवाकर जांच कराने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में याचिका दाखिल की गई है।

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयभगवान गोयल ने दावा किया है कि कुतुब मीनार को 27 जैन और हिंदू मंदिरों को तोड़कर बनाया गया था। परिसर में मौजूद हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों का जीर्णोद्धार होना चाहिए और हिंदुओं को परिसर में पूजा करने की इजाजत मिलनी चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता विनोद बंसल ने पिछले महीने कहा था कि कुतुब मीनार असल में विष्णु स्तंभ है। कुतुब मीनार को 27 जैन और हिंदू मंदिरों को तोड़कर बनाया गया था। उन्होंने कहा था कि जो भी मंदिर तोड़े गए थे, उनका पुनर्निर्माण किया जाए। इसके साथ ही हिंदुओं को कुतुब मीनार में पूजा करने की अनुमति दी जाए।

भाजपा के पूर्व सांसद तरुण विजय भी कुतुब मीनार को लेकर कई सवाल खड़े कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि कुतुब मीनार परिसर में गणेश की उल्टी प्रतिमा है और एक जगह उनकी प्रतिमा को पिंजरे में बंद किया गया है, इससे हिंदुओं की भावनाएं आहत होती हैं। तरुण विजय ने कहा था कि गणेश मूर्तियों को या तो हटा दिया जाना चाहिए या उन्हें 'सम्मानपूर्वक' स्थापित किया जाना चाहिए।

पल्स हॉस्पिटल की जमीन की जांच रिपोर्ट गायब!

रांची/एजेंसी।

झारखंड की खान सचिव आईएएस पूजा सिंघल से ई डी के दफ्तर में पूछताछ जारी है। प्रवर्तन निदेशालय के रांची स्थित जोनल कार्यालय में पूजा सिंघल को नोटिस देकर बुलाया गया है। पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा के सीए सुमन कुमार को आज फिर ईडी के दफ्तर में लाया गया है।

इस बीच जानकारी मिल रही है कि पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा द्वारा स्थापित पल्स हॉस्पिटल की जमीन से संबंधित जांच की रिपोर्ट गायब है। ईडी के द्वारा मांगे जाने पर रांची डिस्टिक एडमिनिस्ट्रेशन जांच रिपोर्ट की तलाश कर रही है।

दरअसल पल्स हॉस्पिटल की जमीन को लेकर 2019-20 में सवाल उठाए गए थे। कहा गया था कि जिस जमीन पर पल्स हॉस्पिटल बना है वह वही भुईहरी की जमीन है। जिसका मतलब होता है कि जमीन की दाखिल खारिज नहीं हो सकती। इसे देखते हुए फरवरी 2020 में सीएम के आदेश पर पल्स हॉस्पिटल की जमीन की जांच कराई गई थी। राँची के तत्कालीन डीसी महीपत राय ने अंचलाधिकारी और एडिशनल कलेक्टर से उस जमीन की जांच कराई थी। 15 दिनों में रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया था। लेकिन यह रिपोर्ट फिलहाल नहीं मिल रही है। माना जा रहा है कि उस रिपोर्ट में कुछ ऐसा संदिग्ध है जिससे बड़ा खुलासा हो सकता है।

पूर्व प्रधानमंत्री ने परिवार सहित नेवल बेस में ली शरण

श्रीलंका में गृह युद्ध जैसे हालात! पूरे देश में हो रहे प्रदर्शन

कोलंबो/एजेंसी।

श्रीलंका में आर्थिक मंदी के बाद अब माहौल बेहद खतरनाक हो गया है। प्रदर्शनकारी और राष्ट्रपति के समर्थक दोनों ही हिंसा पर उतर आए। वहीं श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भी इस्तीफा दे दिया है और अब परिवार सहित त्रिकोमाली के नेवल बेस में शरण ली है। पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं। बता दें कि एक दिन पहले पूर्व प्रधानमंत्री के पैतृक गांव में भी आग लगा दी गई।

यह नेवल बेस कोलंबो से करीब 270 किमी की दूरी पर एक द्वीप पर स्थित है। जानकारी यह भी है कि नेवल बेस के बाहर भी लोगों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। श्रीलंका के शहरों में प्रदर्शनों और हिंसा पर रोक लगाने के लिए हजारों पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और कर्फ्यू लगा दिया गया है।

कल प्रदर्शन के दौरान 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। महिंदा राजपक्षे ने इस्तीफा भी दे दिया लेकिन लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। कोलंबो में पूर्व प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया। इसके बाद उनकी रक्षा करने के लिए सेना को उतरना पड़ा। पुलिस ने भी आंसू गैस के गोले छोड़े।

लोगों में यह गुस्सा अचानक नहीं भड़का है। कई महीनों से श्रीलंका में लोग खाद्यान्न, बिजली, पानी और ईंधन की समस्या का सामना कर रहे हैं। लोगों को जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। हालांकि राष्ट्रपति ने अब तक इस्तीफा नहीं दिया है।

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

Immediately Required
Franchise / Mitr Sewak
for working on following services on commission basis:-

- Amazon Easy store
- Mitr Digi Portal (AEPS, , DMT, ATM, RECHARGE, BILL PAYMENTS etc.)
- Online Bima for all major Bima Companies
- Online E-Store for E-Commerce
- Mutual fund, Tax filling, NPS, Share, Demat / online Trading
Othere services

Registration Charges 2000+GST

Income opportunity of Rs. 40,000-60,000 with les investment

Mitr Sewa Pvt. Ltd.
Vikas Sabke Dwaar

Immediately contact

Shri : Manoj Kumar
Post : Area Manager, Mitr Sewa Foundations
Mob : 9151005283, 9006469840
Email : manoj.kumar@mitrsewa.in

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा के भटनिया गांव के पास वाहन की चपेट में आने से 62 वर्षीय शंकर मांझी की मौत हो गई। वे साइकिल पर सवार थे और अपने घर भटनिया जा रहे थे। इस बीच अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया। उन्हें दुमका फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मई को

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 14 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार (नई दिल्ली) के निर्देश पर झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के संरक्षण में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा आयोजन किया जाना है. व्यवहार न्यायालय , दुमका परिसर में सुबह 9 बजे से कार्य की समाप्ति तक अदालत का आयोजन होगा.

इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका की ओर से सूचना जारी कर सभी लोगों से कहा गया है कि अधिक से अधिक संख्या में अपने मामलों को उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में सूचीबद्ध कराकर सस्ता एवं सुलभ न्याय प्राप्त करें. उत्पाद अधिनियम के वाद,वन अधिनियम के वाद,चेक बाउंस से संबंधित वाद,श्रम वाद एवं न्यूनतम मजदूरी के वाद,विघुत अधिनियम के वाद बैंक ऋण से संबंधित वाद,भरण पोषण के वाद,भू अधिग्रहण से संबंधित वाद,मोटरयान दुर्घटना मुआवजा से संबंधित वाद,छोटे आपराधिक वाद (माप-तौल, पुलिस अधिनियम एवं रेलवे न्यायालय से संबंधित वाद),पारिवारिक वाद,सभी प्रकार के दीवानी एवं फौजदारी मामले,राजस्व संबंधित मामलेसभी प्रकार के शमनीय आपराधिक मामलों का होगा निष्पादन।

ट्रैक्टर- बाइक की टक्कर में दो युवक घायल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड क्षेत्र के हरिपुर-सोनारायठाढ़ी मार्ग पर रामपुर गांव के पास आंगनबाड़ी केंद्र के सामने मंगलवार को ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों को तत्काल ग्रामीणों की मदद से 108 एबुलेंस बुलाकर प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामा भेजा गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को फूलोझानो मेडिकल कालेज व अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। इधर घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार फरार हो गया है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक जामा थाना क्षेत्र के आसनसोल कुरुवा गांव से हरिपुर बाजार गए थे और वहां से वापस लौटने के क्रम में यह हादसा हो गया। घायल बाइक सवार एक युवक विजय दास है जबकि दूसरा युवक सिकंदर दास है जो तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत घोरमारा के ओलुवा गांव का निवासी है।

बूथ वाइज वाहनों की टैगिंग की जाय

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उप विकास आयुक्त सह कार्मिक कोषांग के वरीय पदाधिकारी ने बज्रगृह सह मतगणना केंद्र के साथ एस पी कॉलेज में मतदान दल के लिए की गयी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से प्रथम चरण के पोलिंग पर्सनल को मतपेटिका वितरण हेतु एस पी कॉलेज में की गयी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया एवं आवश्यक निदेश दिया।उन्होंने एसपी कॉलेज में बनाये जा रहे कंट्रोल रूम हेतु कई निदेश दिए।उन्होंने कहा कि मतदान दल को किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो इसे ध्यान में रखते हुए जगह जगह पर साईनेज लगाए जाएं।बैलट बॉक्स वितरण हेतु निर्माण किये जा रहे पंडाल में पर्याप्त संख्या में टेबल लगाएं ताकि मतपेटिका वितरण में कठिनाई नहीं हो।साथ ही बूथ वाइज वाहनों की टैगिंग की जाय। इस अवसर विभिन्न कोषांग के वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

एसकेमुस्टा ने कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री को भेजा माँग पत्र

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय सेवा शिक्षक संघ (एसकेमुस्टा) दुमका के अध्यक्ष डॉ विवेकानन्द सिंह एवं महासचिव डॉ कलानन्द ठाकुर ने महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री, झारखंड को वर्ष 2008 में नियुक्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय प्राध्यापकों की वर्षों से लंबित प्रोन्नति की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराने हेतु आवेदन प्रेषित किया है। नेता द्वय ने महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का ध्यान 2008 में नियुक्त शिक्षकों की प्रोन्नति नहीं होने के कारण एवं इसके समाधान की ओर ध्यान आकृष्ट कराने का प्रयास किया है। इन्होंने कहा कि सर्वविदित है कि 31 दिसंबर 2008 के बाद बिना यू जी सी रेगुलेशन 2010 लागू किये हुए सीधे यू जी सी रेगुलेशन 2018 दिनांक 06.08.2021 को लागू कर दिया गया। इसके कारण 01जनवरी 2009 से लेकर 05 अगस्त 2021 के बीच की अवधि में परिनियम के संदर्भ में शून्यता की स्थिति लगभग 14 वर्ष 07 माह तक उत्पन्न हो गयी है । जो नियम - परिनियम बनाने सम्बन्धी उल्लेखनीय विसंगति है। इस अवधि के लिए न तो नया परिनियम (यू जी सी रेगुलेशन 2010) लाया गया और न ही पूर्व से जारी परिनियम (दिनांक 27.07.1998 के प्रभाव से लागू) को विस्तारित किया गया। इस विसंगति का सीधा दुष्परिणाम यह है कि वर्ष 2008 में नियुक्त प्राध्यापक पिछले 14 वर्षों से अधिक बिना प्रोन्नति के प्रवेश स्तर पर कार्यरत हैं। यह नैसर्गिक न्याय के प्रतिकूल है। सेवा संघ ने यह भी कहा है कि परिनियम विसंगति के अलावे विश्वविद्यालय प्राध्यापकों की प्रोन्नति की सबसे बड़ी बाधा इसका झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा निस्तारित होने का अधिनियम है। प्रोन्नति एक विभागीय मामला होता है। झारखंड के पैतृक राज्य बिहार में प्रोन्नति विश्वविद्यालय के अधीन होती है। अतः झारखंड में भी वर्तमान व्यवस्था को अविलंब बदले जाने की आवश्यकता है। ज्ञातव्य हो कि इस आवेदन के माध्यम से 5 जनवरी 2021 को 2008 में नियुक्त 555 प्राध्यापकों के हस्ताक्षर से युक्त प्रोन्नति से संबन्धित महामहिम एवं मुख्यमंत्री को दिये गए प्रतिवेदन का भी स्मरण कराया गया है।

स्थानीय लोगो के द्वारा साइकिल रैली का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। स्वीप कार्यक्रम के तहत मंगलवार को जिले के चार प्रखंडों रामगढ़, काठीकुंड, गोपीकांदर, शिकारीपाड़ा में स्कूल के छात्र-छात्रों एवं स्थानीय लोगो के द्वारा साइकिल रैली कार्यक्रम का आयोजन कर मतदाताओं को जागरुक किया गया। संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी के नेतृत्व में चुनाव में मतदाताओं को शत प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए जागरूक बनाने को लेकर मतदाता जागरूकता रैली अभियान चलाया गया। उन्होंने स्थानीय लोगो के बीच 14 मई(प्रथम चरण) को होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत(आम) निर्वाचन में मतदान करने की अपील की। साथ ही आम जनमानस से बिना किसी प्रलोभन के पारदर्शिता के साथ अपने मत का प्रयोग करने की अपील की। मतदान जन जन का अधिकार है। लोकतंत्र के इस पर्व को सफल बनाने के लिए सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर साफ एवं स्वच्छ छवि के जनप्रतिनिधि चुने। इस दौरान स्वीप कोषांग के कर्मी आदि उपस्थित थे।

नौकरी के नाम पर रैयती जमीन पर बनाया स्वास्थ्य केंद्र भवन, केस

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा के खारूकदमा स्वास्थ्य केंद्र में महीनों से ताला लगाने वाले जमीन रैयत रामजीत मुर्मू के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज हो गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी कुलदीप सिंह ठाकुर के बयान पर पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने और रंगदारी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने आरोप लगाया कि रामजीत मुर्मू ने सरकारी भवन में ताला लगाया है। रामजीत को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वे नहीं माने, जिससे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। अभी उस संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई है, जिसने रैयत रामजीत मुर्मू को सरकारी नौकरी का आश्वासन देकर उनकी जमीन में स्वास्थ्य केंद्र का भवन बनाया था। यंहा बता दे की दो साल पूर्व रामजीत मुर्मू की जमाबंदी जमीन पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन बनाया गया। भवन निर्माण के समय संवेदक ने रामजीत को आश्वासन दिया था कि जब स्वास्थ्य विभाग का सेंटर कार्यरत हो जाएगा, तो उसकी बहाली उक्त स्वास्थ्य सेंटर में कर दी जाएगी, लेकिन निर्माण पूरा होने के बाद जब उसकी बहाली नहीं हुई तो रामजीत मुर्मू ने भवन पर कब्जा कर उसमें ताला लगा दिया। रामजीत मुर्मू का कहना है कि उसकी जमाबंदी जमीन पर केंद्र है।

भारतीय बेरोजगार मोर्चा ने थाली लेकर प्रदर्शन किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। देश में बढ़ती बेरोजगारी के विरोध में भारतीय बेरोजगार मोर्चा ने मंगलवार को देश भर में थाली लेकर प्रदर्शन किया। एसपी कॉलेज दुमका परिसर के बाहर में भी भारतीय बेरोजगार मोर्चा के बैनर तले बेरोजगारों ने बेरोजगारी के विरोध में थाली पीटो प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सिकंदर रजक, आशीष कुमार तुरी, रोहित कुमार दास, अमर कुमार, विकास कुमार, चंदन कुमार, मिथुन दास, अभिषेक कुमार, राकेश कुमार, स्वाति कुमारी, अर्चना कुमारी, पूजा कुमारी, क्रिस्टोपर हेम्ब्रम, नितेश यादव, मनीष, मनदीप आदि दर्जन छात्र-छात्रा बेरोजगार उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी की समस्या को लेकर आज देश के 550 जिलों में संगठन प्रदर्शन कर रहा है।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर जागरुकता रैली

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए मंगलवार को राजकीय मध्य विद्यालय शिकारीपाड़ा के प्रधानाध्यापक दयामय माजि के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने जागरुकता रैली निकाली। स्वीप कार्यक्रम के तहत आयोजित रैली प्रखंड मुख्यालय से निकलकर शिकारीपाड़ा बाजार का भ्रमण करते हुए पेट्रोल पंप होते हुए विद्यालय प्रांगण में आकर समाप्त हो गई। रैली के माध्यम से छात्रों ने आमजनों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

डीडीसी ने किया एसपी कॉलेज में व्यवस्थाओं का अवलोकन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उप विकास आयुक्त सह कार्मिक कोषांग के वरीय पदाधिकारी ने बज्रगृह सह मतगणना केंद्र के साथ एस पी कॉलेज में मतदान दल के लिए की गयी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से प्रथम चरण के पोलिंग पर्सनल को मतपेटिका वितरण हेतु एस पी कॉलेज में की गयी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया एवं आवश्यक निदेश दिया।उन्होंने एसपी कॉलेज में बनाये जा रहे कंट्रोल रूम हेतु कई निदेश दिए।उन्होंने कहा कि मतदान दल को किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो इसे ध्यान में रखते हुए जगह जगह पर साईनेज लगाए जाएं।बैलट बॉक्स वितरण हेतु निर्माण किये जा रहे पंडाल में पर्याप्त संख्या में टेबल लगाएं ताकि मतपेटिका वितरण में कठिनाई नहीं हो।साथ ही बूथ वाइज वाहनों की टैगिंग की जाय। इस अवसर विभिन्न कोषांग के वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

गवाह को गवाही देने से रोकने पर दो पक्षों में हुई मारपीट

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। कचहरी परिसर मंगलवार को अचानक युद्ध का अखाड़ा बन गया। गवाह को गवाही देने से रोकने के लिए दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट बहनोई और साले के बीच हुई। बाद में अधिवक्ता और मोहरिलों के हस्तक्षेप और बीच-बचाव के बाद मामला शांत हुआ। दरअसल मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। जमीन विवाद में टाईटल शूट मामले में एक पक्ष की ओर से गवाही देने पहुंचे गवाह को मारपीट करने का आरोप लगाते हुए दूसरा पक्ष भी एक-दूसरे से उलझ गए। बाद में मामला नगर थाना पहुंचा। जहां लिखित शिकायत की प्रक्रिया जारी है। जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाबूपाड़ा में 500 बीघा जमीन के एक मामले में तीन पक्षों के बीच न्यायालय में टाइटल शूट दायर है।मामला करीब 12 साल से न्यायालय में चल रहा है। जिसमें एक पक्ष विवादित जमीन पर हक जता रहे दिगंबर पांडे की मारपीट दूसरे पक्ष खुद के रिस्तेदार साला बच्चन पांडे के बीच हो गई। मारपीट में बच्चन पांडेय का बेटा जगपाल पांडेय के मुंह में गंभीर चोट आई। वहीं बताया जा रहा है कि दिगंबर पाल की ओर से बाबूपुर निवासी शिवलाल राय गवाही देने न्यायालय पहुंचा था। जहां रास्ते में दुधानी के समीप दूसरे पक्ष की ओर से शिवलाल राय के साथ मारपीट की गई। फिर भी किसी तरह शिवलाल राय गवाही देने कचहरी परिसर पहुंचा। जहां पुनः गवाही नहीं देने को लेकर बच्चन पांडेय और उसके बेटे गवाह से उलझ गये। बाद में अधिवक्ता और मोहरिल ने मिलकर बीच-बचाव किया। उसके बाद मामला थाना पहुंचा। नगर थाना पुलिस घायल जगपाल पांडेय को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज कार्रवाई में जुट गई। वहीं दिगंबर पाल का दावा है कि सुसराल की 500 बीघा जमीन को लेकर तीन पक्षों में वाद न्यायालय में लंबित है। वर्षो से ससुराल की जमीन की देखभाल कर रहा है। एक पक्ष उसके साले द्वारा बार-बार गवाह को प्रभावित किया जा रहा है। आज मारपीट भी की गई और न्यायालय नहीं पहुंचने का धमकी दी गई। इसके बावजूद भी गवाह गवाही देने पहुंचा तो दोनों पक्षों में मारपीट हो गई।

अवैध बालू भंडारण को लेकर शिकारीपाड़ा थाने में अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका/शिकारीपाड़ा। थाना क्षेत्र के कजलादहा में रोड के बाएं तरफ डंगाल पर अवैध बालू भंडारण को लेकर जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू ने शिकारीपाड़ा थाने में अज्ञात के विरुद्ध कराया मामला दर्ज, जिला खनन पदाधिकारी ने शिकारीपाड़ा थाने में आवेदन देकर कहा है कि दिनांक 4 मई 2022 को समय लगभग 10 बजे पूर्वाहन में अधोहस्ताक्षरी के द्वारा कार्यालय कर्मी के साथ शिकारीपाड़ा अंचल ,के हरिपुर पाकुरिया मुख्य पथ पर मौजा कजलादहा में रोड के बाई तरफ डंगाल पर अवैध बालू भंडारन स्थल का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के समय उक्त स्थल पर लगभग 15000 घनफिट बालू का भंडारण पाया गया अवैध भंडारण स्थल पर कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था फल स्वरुप अवैध बालू भंडारण कर्ता के संबंध में पता नहीं चल सका, स्थल पर किसी भी व्यक्ति के नाम से बालू भंडारा अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं है बिना बालू भंडारन अनुज्ञप्ति प्राप्त किये बालू का भंडारण झारखंड लघु खनिज समानुदान नियमावली 2004 के नियम 4 एवं 54 तथा झारखंड मिनिरल प्रीवेंशन ऑफ इलीगल माइनिंग ट्रांसपोर्टेशन एंड स्टोरेज रूल्स 2017 के नियम 7 एवं 13 के तहत अवैध एवं दंडनीय अपराध

है साथ ही साथ खनिज राजस्व चोरी काफी मामला बनता ह।जिला खनन पदाधिकारी के आवेदन के आधार पर शिकारीपाड़ा थाना में 64/22 दिनांक 9 /5/ 2022 बनाम झारखंड लघु खनिज समानुदान नियमावली सेक्शन 4/54 और झारखंड मिनरल प्रीवेंशन ऑफ माइनिंग ट्रांसपोर्टेशन एंड स्टोरेज रूल्स 2017, 7/13 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुखिया एवं वार्ड सदस्यों पद के उम्मीदवारों के साथ निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ करेंगे बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। प्रखंड मुख्यालय जामा स्थित सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के अनुपालन एवं चुनाव खर्च से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश के अनुपालन हेतु 12 मई गुरुवार को मुखिया एवं वार्ड सदस्यों पद के उम्मीदवारों के साथ निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव के अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी। इस आशय की जानकारी निर्वाची पदाधिकारी सह वीडियो सिद्धार्थ शंकर यादव ने दी है।बैठक को लेकर जारी दिशा निर्देश के आलोक में जामा बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 प्रेक्षक कोषांग दुमका द्वारा जारी गाइडलाइंस के अनुसार मुखिया पद एवं वार्ड सदस्य पद के उम्मीदवारों के साथ ऑब्जर्वर के निर्देशन में आवश्यक बैठक की जानी है। जिसमें मुखिया पद और वार्ड सदस्य पद के के उम्मीदवारों को ऑब्जर्वर दुमका द्वारा चुनाव में व्यय लेखा जोखा से संबंधित जानकारी और आदर्श आचार संहीता अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे। जामा प्रखण्ड में चतुर्थ चरण में मतदान होना है। जिसमें सख्ती से आदर्श आचार संहिता पालन करने एवं

जारी गाइडलाइंस के अनुसार चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सभी निर्वाचन क्षेत्र के अभ्यर्थियों के साथ बैठक की जाएगी। जिसमें जामा के प्रखंड सभागार में निर्धारित समय 10 बजे से वार्ड सदस्य के प्रत्याशियों के साथ एवं जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित विकास भवन में 11 बजे से मुखिया प्रत्याशियों के साथ आवश्यक बैठक की जाएगी।

To-Let
Second floor

1. Bedroom - 2
2. Study room -1
3. Dinning Hall
4. Kitchen

Address : Kumharpara, Kali Mandir, Dumka.
Rent -Rs. 10000 + Electricity Bill.

Contact number :
7991134302, 8969695666

पाकुड़ में डाकिया योजना फेल, डीसी से डाकिया योजना उपलब्ध कराने की की मांग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। लिट्टीपाड़ा प्रखंड के आदिम जनजाति समाज के लोगों को विगत छः महीने से डाकिया योजना का अनाज नहीं मिल रहा है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के अनुसार नवंबर 2021 से ही आवंटन बंद है,जिसके कारण डाकिया योजना के चावल का वितरण नहीं हो पा रहा है। राज्य स्तरीय भारतीय खाद्य निगम सलाहकार समिति के सदस्य अनुग्राहित प्रसाद साह ने उक्त आशय का पत्र उपायुक्त पाकुड़ वरुन रंजन को उपलब्ध कराते हुए शीघ्र डाकिया योजना के चावल का वितरण नियमित रूप से कराने का आग्रह किया। उपायुक्त महोदय विषय को गंभीरता से लेते हुए संबंधित उच्चाधिकारी से फोन से संपर्क कर शीघ्र चावल आवंटन देने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आवंटन क्यों बंद हुआ है, इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी और चावल का आवंटन उपलब्ध होते ही नियमित वितरण की व्यवस्था की जाएगी। इस संबंध में श्री साह ने कहा कि आदिम जनजाति समाज की दयनीय हालत को ध्यान में रखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने वर्ष 2017 में डाकिया योजना प्रारंभ किया था, जिसके तहत प्रति परिवार को 35 किलो चावल घर पहुंचा कर उपलब्ध कराने की व्यवस्था थी, जो वर्ष 2021 के माह अक्टूबर तक नियमित रूप से चलता रहा।इस योजना का उद्धाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास जी ने लिट्टीपाड़ा गांव के छोटा सूरजबेड़ा में किया था, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण पहाड़िया समाज के हित में चलाई गई डाकिया योजना आज लिट्टीपाड़ा प्रखंड में बंद है। जिसके कारण आदिम जनजाति के लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं। यह पहाड़िया समाज के लोगों के साथ अन्याय नहीं है तो और क्या है? लेकिन यह संतोष का विषय है कि उपायुक्त महोदय ने इस विषय को काफी गंभीरता से लिया है।

प्रत्याशियों के लिए निर्धारित की गई राशि

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। व्यय समीक्षा कोषांग द्वारा मंगलवार को प्रथम चरण को लेकर जिला परिषद, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत के मुखिया प्रत्याशियों के व्यय रजिस्टर का जांच एवं सत्यापन किया गया।विदित हो कि त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तीनों स्तर के प्रत्याशियों के लिए व्यय की सीमा तय किया गया है। मुखिया प्रत्याशी 85000 रुपया, पंचायत समिति सदस्य 71000 रुपया, जिला परिषद सदस्य 214000 रुपया एवं ग्राम पंचायत सदस्य 14000 रुपया निर्धारित सीमा से ज्यादा खर्च करने पर प्रत्याशियों को व्यय खर्च में जोड़ दिया जाएगा। व्यय कोषांग द्वारा आज सभी प्रत्याशियों द्वारा खर्च की सीमा की जांच की जा गई। वही व्यय प्रेक्षक, राजेंद्र नायक द्वारा निरीक्षण भी किया गया। कोषांग के वरीय प्रभार सह नोडल पदाधिकारी, दिलीप कुमार मंडल, राज्य कर आयुक्त प्रभारी, पदाधिकारी, व्यय समीक्षा कोषांग के पदाधिकारी पंकज कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिहार के पूर्व सीएम के दामाद पहुंचे झामुमो के युवा नेता से मिलने बेरमो

मौनटेन मैन को भारत रत्न पुरस्कार नही मिलने पर जताया दुख

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के दामाद इंजीनियर देवेन्द्र मांझी का आगमन मंगलवार को बेरमो कोयलांचल के जरिडीह बाजार स्थित झामुमो के वरीय नेता मदन मोहन अग्रवाल के आवास पर हुई। जहां उन्होंने मिडिया को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा ही बेरमो के युवा झामुमो नेता अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सह क्षेत्र के चर्चित समाजसेवी अनील अग्रवाल से उनके पुरानी मित्रता है। कहा कि मै बीती रात्री अपने सगे के यहां बीटीपीएस शादी समारोह में शामिल होने आया था। लौटने के क्रम में यहां अपने मित्र श्री अग्रवाल से मिलने पहुचा हूं। मिडिया से बात करने के क्रम में उन्होंने बिहार के विभिन्न मुद्दों पर बात करने के अलावे अपने संबोधन को माउंटेन मैन दशरथ मांझी पर केंद्रित करते हुए कहा कि उनके व उनके परिवार के साथ काफी ना-इंसाफी हुई है। जिसको लेकर मै पिछले लंबे समय आंदोलनरत हूं। कहा कि इस नाइंसाफी को लेक-र हम एक फिल्म भी बना रहे है। जिसका नाम मांझी द भारत रत्न रखा गया है। जल्द ही आपको यह फिल्म देखने को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस फिल्म के माध्यम से हमने अपने समाज के अंदर फैली गरीबी,कुरीतियों, नाइंसाफियो के अलावे दबे कुचले लोगो के शोषण को दर्शाने के साथ साथ दशरथ मांझी के जीवनी पर प्रकाश डाला है। निश्चित रूप से यह फिल्म प्रेरणा देने के साथ साथ आंखे खोलने वाली फिल्म साबित होगी। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अगर दशरथ मांझी के स्थान पर अगर कोई राजनीतिक पहुच वाले होते तो उसे भी भारत रत्न मिल गया होता। मगर सिर्फ पिछड़ा वर्ग के होने के कारण विश्व विख्यात कार्य करने वाले को भारत रत्न नही मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि हमारा आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक दशरथ मांझी व उसके दुखी परिजनों को इंसाफ व सम्मान नही मिल जाता है। उन्होंने कहा कि आज दशरथ मांझी का परिवार को सरकारी लाभ के रुप में सिर्फ बंजर जमीन मिला है, आज भी उसका परिवार घास फूस के घर में रहने को मजबूर हैं। मौके पर झामुमो के वरीय नेता मदन मोहन अग्रवाल, राम अनुज शर्मा, भाजपा नेता अरविंद कुमार उर्फ बाबा आदि लोग उपस्थित थे। गौरतलब है कि उन्होंने ने कहा कि उनका फिल्म बनाने के पीछे बस एक ही मकसद है कि किसी तरह दशरथ मांझी व उसके परिजनों को इंसाफ, न्याय व सम्मान के अलावे दशरथ मांझी को सरकार भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

नाम वापसी के पहले दिन 2 मुखिया,5 पंसस व 11वार्ड सदस्य के प्रत्याशियों ने लिए नाम वापस

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2022 के चौथे चरण में हो रहे डुमरी प्रखंड में मतदान हेतु उम्मीदवारों द्वारा कराये गये नोमिनेशन के बाद हुए संवीक्षा में क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले विभिन्न पदों के उम्मीदवारों की नाम वापसी तिथि के पहले दिन आज मंगलवार को मुखिया पद के दो उम्मीदवारों, पंसस पद के पांच उम्मीदवारों व वार्ड सदस्य पद के 11 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया है।मुखिया पद के आरओ सह सीओ धनंजय गुप्ता ने बताया कि कुलगो उत्तरी से मुखिया उम्मीदवार शबाना परवीन एवं चेगड़ो से कौशल्या देवी ने अपना नाम वापस ले लिया है। वहीं पंसस पद के आरओ सह एसडीएम प्रेमलता मुर्मू ने बताया कि पंसस पद के 5 उम्मीदवारों क्रमशः भाग संख्या 28 से बसंती देवी, भाग संख्या 19 से प्रियंका कुमारी, भाग संख्या 44 से सुखदेव प्रसाद, भाग संख्या 20 से रेणु कुमारी एवं भाग संख्या 41 से रिंकी देवी ने अपना नाम वापस ले लिया है। जबकि वार्ड सदस्य पद के आरओ सह बीडीओ सोमनाथ बंकिरा ने बताया कि इसरी उत्तरी वार्ड संख्या 9 से अनीता देवी, कुलगो उत्तरी के वार्ड संख्या 5 से सजीदा खातुन व वार्ड संख्या 1 से सायरा बानो, असुरबांध के वार्ड संख्या 1 से धीरन कुमार, भरखर के वार्ड संख्या 4 से रानी पांडेय व वार्ड संख्या 3 से सरस्वती देवी, अतकी के वार्ड संख्या 12 से गोविंद कुमार, परसाबेड़ा के वार्ड संख्या 6 से मरजाना परवीन, वार्ड संख्या 10 से सफीरन बीबी, वार्ड संख्या 11 से मैमुन खातुन और ससारखो के वार्ड संख्या 4 से रीना कुमारी ने अपना नाम वापस ले लिया है।

मुखिया प्रत्याशी सह निवर्तमान मुखिया बबलू बर्नवाल की धर्मपत्नी डोली देवी ने झुमरबाद पंचायत में किया जनसंपर्क

देवीपुर। प्रखंड के झुमरबाद पंचायत की मुखिया प्रत्याशी सह वर्तमान मुखिया बबलू बर्नवाल जागेश्वर दास की धर्मपत्नी डोली देवी ने जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने अपने पक्ष में लोगों से मतदान करने की अपील की है। उन्होंने यह भी बताई है कि उनके पति निवर्तमान मुखिया बन कर वंचित लोगों को लाभ दिया। पेंशन, पीएम आवास, शेड भी जरूरतमंद वालों को दिया। आवास, पेयजल सुविधा आदि काम किया। घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, जमीन संबंधी छोटे मोटे मामले में लोगों के घर जाकर समाधान किए। महिला सीट हो जाने उन्हीं के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए जनता से क्रम संख्या एक पर चुनाव चिह्न सेब छाप पर मुहर लगाकर भारी मतों से विजय बनाने की अपील की है।मौके पर निवर्तमान मुखिया बबलू बर्नवाल सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

अवैध रूप से बालू उठाव को ग्रामीणों ने रोका;दी पुलिस को सूचना, पुलिस ने किया ट्रैक्टर जब्त

जसीडीह/ देवघर। जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र के चान्दपुर गांव के डढवा नदी से मंगलवार की सुबह बालू कारोबारी के द्वारा अवैध बालु उत्खनन करते हुए ट्रेक्टर को ग्रामीणों ने रोका और पुलिस को दिया सुचना पुलिस ने दो ट्रेक्टर जब्त कर लिया। चाँदपुर के ग्रामीण ने बताया कि बालू कारोबारी के द्वारा लागातार धड़ल्ले से बालू उत्खनन किया जा रहा था। हम सभी ग्रामीण लिखित शिकायत अधिकारी को दिये थे। लेकिन उत्खनन पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और बेफिक्र होकर ट्रेक्टर मालिक खुलेआम बालु उठाव करते रह गए। बालु उठाव करने से जलस्तर लगभग 20 फीट निचे चला गया है। जिससे हम सभी ग्रामीण को पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गयी है।वही बगल से ही जसीडीह दुमका रेल लाइन की रेलवे ओवर ब्रिज बनी है जो कि ब्रिज के आसपास से भी बालू उत्खनन कर लिया है।विवश होकर मंगलवार को सभी ग्रामीण एकत्रित होकर बालु उत्खनन पर रोक लगाने के लिए डढवा नदी गये तो देखा कि लगभग आधे दर्जन ट्रेक्टर से बालु लोड किया जा रहा था। जैसे ही हमलोग मना किये तो सभी ट्रेक्टर भागने लगे और दो ट्रेक्टर भाग नही सका। तब जसीडीह पुलिस को सूचना दिया गया और ट्रेक्टर को पुलिस ने जब्त कर थाना ले गई और आगे की कार्रवाई कर रही थी।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार का पुतला दहन किया

पाकुड/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला मुख्यालय स्थित बिरसा चौक पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के ज़िला अध्यक्ष श्याम यादव ने कहा कि एक साजिश के तहत है झारखंड की हेमंत सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है जिसके लिए केंद्रीय सरकार ईडी सीबीआई और अन्य एजेंसियों का सहारा ले रही है झारखंड में जब भी विकास के कार्य तेज पकड़ते हैं और सरकार अच्छा कार्य करने लगती है तो भाजपा और केंद्र सरकार नए-नए साजिश रचने शुरु कर देती है और यही इनकी मंशा है कि सरकार अलग-अलग मामलों में उलझी रहे और विकास का कार्य ना कर सके केंद्र सरकार के इसी साजिश के खिलाफ आज एक केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया।

आठवीं बोर्ड की परीक्षा का आयोजन किया गया

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड अधिविध परिषद राँची के तत्वावधान में मंगलवार को पाकुड़िया प्रखंड के पाँच परीक्षा केंद्रों में आठवी बोर्ड परीक्षा का आयोजन हुआ। जिनमें 1459 छात्र शामिल हुए जबकि 240 छात्र परीक्षा में अनुपस्थित हुए। परीक्षा केंद्र मध्यविद्यालय मोंगलाबान्ध में 174 में 149,हरिश्चंद्र मध्यविद्यालय पाकुड़िया में 356 में 310, प्लस टू उच्च विद्यालय पाकुड़िया में 540 में 467 एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय चौकिसाल में 241 में 215 छात्र परीक्षा में उपस्थित रहे।

परीक्षा प्रपत्र भरने की अंतिम 18 मई

मधुपुर । सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के निर्देश पर मधुपुर महाविद्यालय मधुपुर के यूजी सेम -1 सत्र 2021 -24 ,यूजी सेम-3 सत्र 2020- 23 यूजी सेम -5 2019- 22 के परीक्षा प्रपत्र भरने से छुटे हुए छात्र/ छात्राओं को एक बार पुनः परीक्षा प्रपत्र भरने के लिए 10 मई से 18 मई तक का अंतिम समय विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया है। यह परीक्षा प्रपत्र महाविद्यालय में ऑनलाइन भरा जाएगा ।उक्त जानकारी मधुपुर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ रत्नाकर भारती ने दी।

मुखिया प्रत्याशी रेखा देवी ने बाइक रैली निकालकर की लोगों से अपील

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत झिलुआ चांदडीह पंचायत के मुखिया पद की प्रत्याशी रेखा देवी पूरे दम खम से चुनाव मैदान में नजर आ रही हैं।मिली जानकारी अनुसार आज उन्होंने पंचायत क्षेत्र के झिलूआ चांदडीह, जो रमो,भगवानपुर,बासाकोला, उखरिया,भेलवा टांड़, हरकट्टा, गम्हारिया, चैहोमारनी, भितीयाना,हसुआडीह आदि गांवों में मोटर साइकिल रैली निकालकर जन संपर्क अभियान चलाया।इस क्रम में महल्ले,टोले,घरों में जा जाकर लोगों से अपना समर्थन देने की अपील की। साथ ही पंचायत के लोगों से संपर्क किया और भारी मतों से विजय बनाने की अपील की। उन्होंने चुनावी मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि शेष लोगों को आवास के अलावे कुएं,नाला,पीसीसी, पेवर्श, बकरी शेड, पशु शेड,पेंशन पूर्ण रूप से उपलब्ध कराया जायेगा।कहा कि पंचायत के सभी गांवों का विकास मेरा लक्ष्य है और सेवा मेरा धर्म है।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान पंचायत अंतर्गत विभिन्न टोले मुहल्ले व गांवों में जाकर जनता से मिली। मौके पर उनके समर्थकों सहित सैकडों महिला पुरुष उनके साथ उपस्थित थे।

मुखिया प्रत्याशी संजीदा खातून के पक्ष में युवावर्ग का झुमरबाद पंचायत में दौरा

देवीपुर। प्रखंड के झुमरबाद पंचायत की मुखिया प्रत्याशी संजीदा खातून पति मनोवर अंसारी के पक्ष में युवावर्ग ने झुमरबाद पंचायत क्षेत्र में दौरा किया। साथ ही घर घर जाकर लोगों से जनसंपर्क किए। इस दौरान उन्होंने अपने पक्ष में लोगों से मतदान करने की अपील की है। उन्होंने यह भी बताई है कि वर्तमान से बेहतर ढंग से कामकर वंचित लोगों को लाभ दिया जायेगा। पेंशन, पीएम आवास, शेड, आवास, पेयजल सुविधा आदि काम किया जायेगा। उन्होंने क्रम संख्या चार पर चुनाव चिह्न बेल्ट छाप पर मुहर लगाकर भारी मतों से विजय बनाने की अपील की है। मौके पर सैकड़ों ग्रामीण युवा उपस्थित थे।

डीपी में सभी चेक पोस्ट तो एवं सीमावर्ती बूथों पर सघन जांच अभियान चलाने का दिया निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। प्रथम चरण का चुनाव पाकुड़ प्रखंड में 14 मई को होना है। उपायुक्त वरुण रंजन ने सभी चेक पोस्टों और सीमावर्ती बूथों पर सघन जांच करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। ताकि असामाजिक तत्वों द्वारा चुनाव को नकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं किया जा सके। डीसी के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर द्वारा सोमवार गत रात्रि पाकुड़ प्रखंड स्थित रहसपुर, नवादा, ईलामी एवं कुमारपुर पंचायत का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण क्रम में डीडीसी ने एमसीसी का उल्लंघन का जायजा लिया, साथ ही साथ डीडीसी ने कहा कि किसी प्रकार का अन्य गतिविधि जो चुनाव कार्य में बाधा उत्पन्न न करें। पंचायत चुनाव संपन्न होने तक इस प्रकार की गतिविधि जिला प्रशासन द्वा-रा लगातार जारी रहेगा। जिले में आदर्श आचार संहिता लागू है सभी से इसका अनुपालन करने का अपील कि। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी श्री हरिबंश पंडित, प्रखंड विकास पदाधिकारी मो शफीक आलम एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीडीसी ने विश्व हरित ग्राम योजना में पौधारोपण कार्य स्थल का किया निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। मंगलवार को उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर के द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत पंचायत बड़ासरसा, नवाडीह एवं बाडू में मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजनाओ में पौधारोपण हेतु करणघाटी एवं मोहलबोना ग्राम में रानी मरांडी तथा क्रिस्टीना हांसदा की कार्यस्थल में गढ्ढा खुदाई कार्यो का निरीक्षण किया। घेरावन्दी के पश्चात पौधारोपण करने का निर्देश दिया गया, ग्राम रोजगार सेवक को सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया एवं ग्राम रांगा में विगत वर्ष की गई बागवानी योजना का निरीक्षण के दौरान लाभुक को नियमित पानी पटवन करने एवं ₹ल्ठ₹ टेका लगाने घेराबंदी की मरम्मति करने का निर्देश दिया गया एवं सिंचाई कूप निर्माण को अविलम्ब बरसात के पूर्व पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बाडू पंचायत में अरुण ठाकुर का प्रधानमंत्री आवास योजना का निरीक्षण किया गया। लाभुक को खिड़की दरवाजा एवं रंग रोगन करने का निर्देश दिया गया सभी रोजगार सेवक को नियमित रूप से एनएमएमएस करने एवं बीपीओ, एई एवं जेई को एरिया ऑफिसर एप में लक्ष्य के विरुद्ध जांच करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर डीआरडीए परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान, बीपीओ मानिक दास, एई साइमन हेम्ब्रम, जेई विजय रविदास, जीआरएस एवं लाभुक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिबंधित मांगूर मछली लदे ट्रक को पकड़कर पुलिस को सौंपा

निरसा। देवीयाना मोड़ पर ग्रामीणों ने मंगलवार को प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली लदे ट्रक को पकड़ा। ट्रक कोलकाता से बिहार की ओर जा रही थी। सूचना पर विधायक अपर्णा सेन गुप्ता पहुंची। घंटों हाई प्रोफाइल ड्रामा चला। ट्रक को छुड़ाने का काफी प्रयास किया गया। अंत में निरसा पुलिस ने ट्रक को जप्त कर थाने ले आई और कार्रवाई शुरु कर दी है। विधायक ने कहा कि जांच कर कार्रवाई किया जाए। कहा कि किसके संरक्षण में आम लोगों के बीच जहर परोसा जा रहा है। पूरी तरह से प्रतिबंधित होने के बाद भी यह धंधा फल फूल रहा है। कहा कि इससे पहले भी गत वर्ष मैथन और गोविंदपुर में थाई प्रतिबंधित मांगुर मछली पकड़ा गया था। रौशन सहित कई लोगों पर मामला दर्ज किया गया था। बताया जाता है कि एक सिंडिकेट के माध्यम से बड़े पैमाने पर यह धंधा किया जा रहा है। बंगाल से रोजाना एक सौ से अधिक मांगूर मछली लदे ट्रक को झारखंड, बिहार, यूपी, हरियाणा में खपाया जाता है। जो भारत में पूरी तरह से प्रतिबंधित है। बंगाल से लेकर लोकल चिरकुंडा, मैथन, निरसा, निमियाघाट सहित बिहार, यूपी, दिल्ली और हरियाणा में सिंडिकेट का जाल बिछा हुआ है। रोजाना करोड़ों का कारोबार होता है।

हल्की बारिश में चिरकुंडा नगर परिषद की सफाई व्यवस्था की खुली पोल

निरसा । हल्की बारिश ने चिरकुंडा नगर परिषद के सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी है। वार्ड 16 में नाले की पानी सडक पर आने से आमलोगों को निकलना मुश्किल हो गया है। वार्ड के लोगों में नगर परिषद के अधिकारी और संवेदक प्रति आक्रोश है। बताया कि एक साल पहले परिषद द्वारा टेंडर के तहत संवेदक को काम करने के लिए दिया गया लेकिन नाले से पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई। संवेदक ने बताया कि नाले के निकासी करने में ग्रामीणों ने काम रोक दी। लेकिन विधायक अर्पणासेन गुप्ता ने ग्रामीणों के साथ बैठकर कर नाले निकालने के लिए अनुमति दिला दिया। टेंडर करीब नौ लाख की है।लेकिन नाले का पानी निकासी नहीं हो सका। जिसके कारण हल्की बारिश में भी नाले का पानी सड़क पर आ जाता है। लोगों को निकलना मुश्किल हो जाता है। ईओ विनोद कर्मकार ने कहा कि संवेदक जल्द काम पुरा करे अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

एक ही रात दो मोटरसाइकिल की चोरी, मामला हुआ दर्ज

जसीडीह । थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से घर के आँगन में रखे दो मोटरसाइकिल चोरी हो जाने को लेकर थाने में मामला दर्ज की गई।जानकारी के अनुसार जसीडीह थाना क्षेत्र के रायडीह गांव निवासी आलोक कुमार राय ने थाने मे मामला दर्ज कराते हुए बताया कि रोज की तरह अपने मोटरसाइकिल पल्सर जेएच 25एए 7237 और यमाहा को अपने घर के आँगन में लगाकर सो गये। जब सुबह उठे तो देखा कि उनका पल्सर मोटरसाइकिल गायब था।वहीं जसीडीह थाना क्षेत्र के रोहिणी गोपिडीह गांव के अभय कुमार भास्कर ने भी मामला दर्ज कराया कि अपने मोटरसाइकिल होण्डा लिवो ब्लू रंग से निमंत्रण मे गिधनी गये थे। लौटते वक्त काफी रात्रि हो जाने से बसमनडीह गांव के परमेश्वर मंडल के घर के सामने बाइक खड़ा कर विश्राम कर रहे थे। जब उठे तो देखा कि उनकी भी मोटरसाइकिल नही थी।चोर ने मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। पुलिस दोनो की शिकायत पर मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है।

निरसा में चाल धंसने से तीन की मौत, तीन घायल, अधिकारियों ने लिया घटनास्थल का जायजा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

निरसा। ईसीएल मुगमा एरिया के कापासारा आउटसोर्सिंग के अवैध खनन स्थल (जहां चाल धंसी) का मंगलवार को विधायक अपर्णा सेन गुप्ता, एग्यारकुंड अंचल के सीओ अमृता कुमारी, एसडीपीओ पीतांबर सिंह खेरवार, निरसा थानेदार दिलीप यादव, कोलियरी एसएम समीर अंसारी ने घटनास्थल का जायजा लिया। प्रबंधन ने घटना से साफ इनकार किया है। कहा कि कापासारा में किसी तरह की घटना नहीं हुई है। वहीं सीओ ने कोलियरी प्रबंधन और सुरक्षा पदाधिकारी को एसडीपीओ के पास रिपोर्ट सौंपने को कहा है। कुछ परिजन कापासारा पहुंचकर लापता लोगों को खोज रहे हैं। इधर घटना के बाद प्रबंधन और प्रशासन की ओर कापासारा और आसपास के क्षेत्रों में माइकिंग कराई गई। खदान या परियोजना के अंदर प्रवेश नहीं करने की चेतावनी दी गई। कहा कि अवैध खनन करते पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से आउटसोर्सिंग में सन्नाटा पसरा रहा। जहां रोजाना पांच हजार से अधिक लोग अवैध खनन करते थे। मेला जैसी भीड़ भाड़ का माहौल रहता था। एक दो लोग खदान के आसपास भटकते नहीं आए। हलांकि अवैध कारोबारी दुकान के पास से स्थिति का जायजा ले रहे थे। घटना के बाद देर रात अवैध खनन के ठेकेदार और कोयला कारोबारी एक शव को ले भागे। वह गोपीनाथपुर का रहने वाला था। हालांकि पुलिस और प्रबंधन के प्रति ग्रामीणों में काफी रोष है।

बता दें कि कापासारा आउटसोर्सिंग में सोमवार की शाम को अवैध कोयला खनन में चाल धंसने से तीन लोगों की मौत हो गई थी। तीन अन्य लोग घायल हो गए थे। आसपास के लोगों ने कुछ लोगों के दबे होने की आशंका जताई है।

● ईसीएल मुगमा के जीएम और एक नेता के संरक्षण में हो रहा है अवैध खनन : अपर्णा

विधायक अपर्णा सेन गुप्ता ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद कटाक्ष करते हुए कहा कि हेमंत है तो हिम्मत है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कापासारा आउटसोर्सिंग, राजा कोलियरी, गोपीनाथपुर में बड़े पैमाने पर एक नेता और जीएम के संरक्षण में अवैध कोयला का घंधा चल रहा है। उन्होंने घटना की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। कोयला किसके भठ्ठा में जा रहा है। किसके इशारे पर हाइवा इन और आउट हो रहा है। इसके पिछे कौन गिरोह काम कर रहा है। कहा कि मुगमा में जीएम के आने के बाद से सारा खेल चल रहा है। जो जगजाहिर है। सभी को पता है।

● कभी भी मुगमा में धंस सकती है दिल्ली ग्रैंड कॉर्ड रेलवे लाइन

कापासारा आउटसोर्सिंग और आसपास के क्षेत्रों में चल रहे अवैध खनन के कारण मात्र पांच सौ मीटर की दूरी पर मुगमा में दिल्ली ग्रैंड कार्ड रेलवे लाइन के नीचे की जमीन खोखली हो गई है। कभी भी रेल लाइन जमींदोज हो सकती है। एक बड़ी हादसा होने की संभावना है। जिसपर से रोजाना राजधानी एक्सप्रेस, सताब्दी एक्सप्रेस, ब्लैक डायमंड, दून एक्सप्रेस सहित सैकड़ों ट्रेनों का आवाजाही होती है। ईसीएल के कापासारा आउटसोर्सिंग में कोलियरी के जैसा समानांतर चार तल्ला लेयर में एक सौ से अधिक अवैध खनन के मुहाने हैं। जिससे रोजाना अवैध खनन किया जाता है।

● नहीं हुई कोई ऐसी घटना : थानेदार

निरसा थाना प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने कहा कि कापासारा आउटसोर्सिंग घटना में किसी की भी मौत नहीं हुई है। घटना स्थल पर डोजरिंग कराया जा रहा है। यदि कोई परिजन सामने आता है तो एफआईआर दर्ज की जाएगी।

● मदद की लगाई गुहार-

बीरभूम (बंगाल), जामताड़ा के कुछ लोगों वीडियो वायरल कर मदद की गुहार लगाई है। फोन पर बताया कि मुगमा स्कूल मोड़ में सभी मजदूर भाड़े के मकान में रहते थे। भोला नामक ठेकेदार यहां काम करने के लिए बुलाया था। चौदह लोग खदान में गए थे। छह लोग अब भी लापता है। कुछ भी पता नहीं चला है। बीरभूम के शिवड़ी क्षेत्र के शेख अब्बू भी है। बहुत ही गरीब है। घर पर बुजुर्ग मां-पिता, पत्नी और दो छोटे छोटे बच्चे हैं। सभी का रो रो कर बुरा हाल है। जामताड़ा की एक महिला ने अनहोनी की आशंका जताई है। बताया मेरे पति भी यहीं आसपास काम करते थे। दो दिनों से मोबाइल बंद आ रहा है।

● डीसी के आदेश का नहीं हुआ अनुपालन-

इसी वर्ष एक फरवरी को कापासारा आउटसोर्सिंग में चाल धंसी तीन लोगों की मौत के बाद डीसी संदीप कुमार ने घटनास्थल का जायजा लिया था। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि जिसका लीज होल्ड एरिया है। जिम्मेवारी उसकी है। ईसीएल प्रबंधन कोयला चोरी या अन्य मामलों में एफआईआर दर्ज करती है तो पुलिस अनुशंधान कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करे। जीएम बीसी सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने का भरोसा डीसी को दिया था लेकिन लूट की छूट देकर खदान क्षेत्र की घेराबंदी तक नहीं की गई। आसपास डिपो खुल गए हैं। ताकि अवैध खनन के कोयले को आसानी से डिपो तक पहुंचाया जा सके। ठेला से लेकर सारी व्यवस्था कारोबारी द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। पुलिस, ईसीएल प्रबंधन, सुरक्षा गार्ड और सीआईएसएफ के मिलीभगत से अवैध खनन कारोबार चल रहा है।

मुखिया प्रत्याशी सुलेखा देवी के पति धनेश्वर यादव के समर्थकों ने निकाली बाइक रैली

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मोहनपुर। प्रखंड के अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण का अंतिम दोर जारी है। वही बीचगढ़ा पंचायत के मुखिया प्रत्याशी उम्मीदवार सुलेखा देवी के पति धनेश्वर यादव ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बाइक रैली के साथ दर्जनों गांव के पंचायत में मतदाताओं के बीच अपने समर्थक के साथ पहुंचकर जोर शोर से अपने पक्ष में मतदान करने के लिए अपील किया। अभियान रैली के दौरान महियामो,बिचगढा, बलजोरा, लता वरण, कुसुमडीह,कदरसा,महेद वा, दर्जनों गांव में दौरा कर लोगों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील किया ।बाइक रैली के दौरान सभी कार्यकर्ता सुलेखा देवी जिंदाबाद का नारा लगाए। इन नारों से पूरा पंचायत गूंज उठी वही बाइक रैली कर चौक चौराहे पर एकत्रित हुए जिनका संबोधित मुखिया प्रत्याशी सुलेखा देवी के पति धनेश्वर यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बीचगढा पंचायत विकास के मामले में काफी पिछड़ा है इसे मैं विकास की राह

पर लाऊंगा। आगे उन्होंने कहा कि आम लोगों से अपना बहुमूल्य मत देने की अपील करते हुए काकी पंचायत के सभी वर्गों का भरपूर समर्थन प्राप्त है इसीलिए इस बार उनकी जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद पंचायत की तस्वीर बदल कर मॉडल पंचायत बनाएंगे। साथ ही विकास की नया आयाम देंगे आगे उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद भ्रष्टाचार समाप्त कर लोगों को सभी कल्याणकारी योजना का लाभ देंगे।

लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे उन्हें भारी मतों से विजय बनाएं। धनेश्वर यादव ने बताया कि पंचायत में सभी वर्ग समुदाय व्यापक समर्थक का प्यार मिला है, पंचायत के स्वर्गीय विकास के साथ-साथ जन जन तक उनको हक पहुंचाने का काम करूंगा।

वन विभाग ने किया अवैध कोयला लदा 2 टर्बो ट्रक जप्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बड़कागांव। बड़कागांव वन क्षेत्र पदाधिकारी रेंजर छोटे लाल साहू एवं हजारीबाग सदर वन क्षेत्र के अधिकारियों के संयुक्त नेतृत्व में रविवार की रात छापामारी कर बड़कागांव एवं कटकमदाग थाना क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र से अवैध कोयला लदा 407 टाटा टर्बो 2 वाहन जेएच10जी-5346 एवं जेएच02एन-6423 जप्त किया गया। उक्त टर्बो से अवैध कोयले की ढुलाई झारखंड के बाहर यूपी एवं बिहार राज्य में ले जाने का सिलसिला कई माह से जारी है। बताया जाता है कि इस प्रकार के कई और वाहन अवैध कोयला ढुलाई में निरंतर जारी है। बड़कागांव थाना क्षेत्र के बाद रुदी भेलवाटोंगरी, गोंदलपुरा आदि स्थानों से अवैध कोयला खनन कर ट्रैक्टर के माध्यम से शाम ढलते ही मोतरा घाटी होते हुए कटकमदाग थाना क्षेत्र के रजहर जंगल में डंप किया जाता है और यहां से डम किया गया कोयला टर्बो ट्रक के माध्यम से राज्य के बाहर बिहार यूपी के मंडियों तक ले जाया जाता है। जप्त टर्बो ट्रक इचाक -पदमा का बताया जा रहा है। बड़कागांव वन अधिकारियों के द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। छापामारी अभियान में रेंजर छोटे लाल साव के अलावा वन कर्मी भोला साहू, प्रभात किशोर लाकड़ा, विद्याभूषण केसरी,

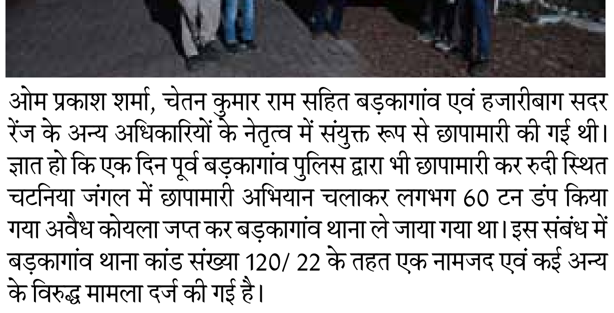

ओम प्रकाश शर्मा, चेतन कुमार राम सहित बड़कागांव एवं हजारीबाग सदर रेंज के अन्य अधिकारियों के नेतृत्व में संयुक्त रूप से छापामारी की गई थी। ज्ञात हो कि एक दिन पूर्व बड़कागांव पुलिस द्वारा भी छापामारी कर रुदी स्थित चटनिया जंगल में छापामारी अभियान चलाकर लगभग 60 टन डंप किया गया अवैध कोयला जप्त कर बड़कागांव थाना ले जाया गया था। इस संबंध में बड़कागांव थाना कांड संख्या 120/ 22 के तहत एक नामजद एवं कई अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज की गई है।

गृह निर्माण कार्य को बार-बार बाधित करने और रंगदारी मांगने का लगाया आरोप

डुमरी। झापीपा के जिला अध्यक्ष बोकारो सह गिरिडीह लोकसभा प्रभारी अशोक अग्रवाल आजाद ने डुमरी थाना प्रभारी से मिलकर घुजाडीह स्थित पत्थर क्रेशर संचालक वशिष्ठ नारायण सिंह के कर्मी आशुतोष अग्रवाल और उसके बेटों पर गृह निर्माण कार्य को बार-बार बाधित करने और प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है।पीड़ित ने ईमेल के मार्फत आरक्षी अधीक्षक,अपर समाहर्ता गिरिडीह, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरी,थाना प्रभारी डुमरी,अंचल अधिकारी डुमरी को जमीन रजिस्ट्री पेपर और पावर ऑफ अटॉर्नी की कॉपी प्रेषित करते हुए दबंगों के विरुद्ध कानून सम्मत कार्रवाई की मांग की है।लिखा है कि उन्होंने प्रदीप अग्रवाल से पावर ऑफ अटॉर्नी लिया है और उस पर कार्य कर रहे हैं लेकिन दबंगों ने उसे रोकने का काम कर रहे हैं जिस जांच उपरांत कानून सम्मत कार्रवाई करने की मांग किया है।थाना प्रभारी और आरक्षी निरीक्षक डुमरी ने आश्वासन दिया है कि विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी.श्री आजाद ने बताया कि आशुतोष अग्रवाल और उसके परिवार अपने दूर के रिश्तेदार प्रदीप अग्रवाल और अन्य गोमिया की दादा लालजी और परदादा केवल साव के नाम ऑनलाइन रिकॉर्ड और खतियान की भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है और वर्षों तक प्रदीप एवं उनके परिवार को आर्थिक मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं इन लोगों ने उक्त भूमि को पत्थर क्रेशर लीज धारक वशिष्ठ नारायण सिंह को भाड़े पर देकर लाखों रुपया प्रति वर्ष कमाई कर रहे हैं जो कि गलत है श्री आजाद ने बताया कि आशुतोष अग्रवाल और उसके भाई अजीत अग्रवाल को क्रेशर तक की जमीन की नापी माफी हेतु सोमवार को बुलाया गया और डुमरी पंचायत की निर निवर्तमान पंचायत सचिव विवेक कुमार के सामने बात विचार किया गया । पावर ऑफ अटॉर्नी और रजिस्ट्री पेपर को दिखाया गया जिसे अजीत अग्रवाल और आशुतोष अग्रवाल तथा उसके क्राइम प्रवृत्ति के बच्चे डब्लू और पिंटू कुमार ने देखा और इसके बावजूद काम रोकने की धमकी देते रहे।क्रेशर मालिक के बहकावे में आकर उनके निजी मकान और जमीन खाता 32 प्लॉट 74 पर जबरदस्ती कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और बार-बार गिरा निर्माण कार्य को बाधित कर रहे हैं।

पंचायत चुनाव को लेकर कथारा ओपी प्रभारी की प्रत्याशियों के साथ बैठक

बेरमो /बांध कथारा । बीती देर शाम गोमिया थाना के कथारा ओपी परिसर में ओपी प्रभारी प्रिंस कुमार ने अपने ओपी क्षेत्र के सभी पंचायत के प्रत्याशियों के साथ बैठक की। इस बैठक में सभी पदो के उम्मीदवार उपस्थित थे। बैठक मे यह सुनिश्चित किया गया कि कैसे शांतिपूर्ण तरीके से पंचायत चुनाव को सम्म्पन्न कराई जा सके। मौके पर सभी प्रत्याशियों ने अपनी अपनी राय रखी।जबकि मौके पर ओपी प्रभारी श्री कुमार ने लोगो से अपील किया की अगर चुनाव के दौरान या चुनाव प्रचार के दौरान कोई भी असमाजिक तत्व माहौल खराब करने की कोशिश करते मिले या इसकी जानकारी भी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दे। पुलिस ऐसे तत्वो पर नकेल कसने का काम करेगी। उपस्थित प्रत्याशियों को आश्वस्त करते हुए ओपी प्रभारी ने कहा कि आप इत्मीनान के साथ चुनाव लड़े पुलिस आपके साथ हमेशा रहेगी। कहा कि इसके लिए आपको भी सजग व सतर्क रहना है ऐसे तत्वो चिन्हित करे और जानकारी पुलिस को दे। पुलिस ऐसे लोगो पर कानुनी कार्यवाही करने मे विलंब नही करेगी। मौके पर थाना प्रभारी के अलावे मुखिया प्रत्याशी मुरली देवी आदि के नये पुराने सभी प्रत्याशीगण उपस्थित थे।

अनियंत्रित बस के पलटने से लगभग दर्जन भर यात्री घायल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बडकागांव। प्रखंड अंतर्गत बादम से हजारीबाग जाने के क्रम में मंगलवार सुबह एक तेज़ रफ्तार यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए। घायलों में महिलाएं एवं बच्चे शामिल हैं। इसमें कुछ लोग बिहार के नवादा के रहने वाले हैं। गंभीर रुप से घायल कुछ यात्रियों को हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जबकि बाकी का

इलाज स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। दुर्घटना में रूद्दी निवासी सलामत अंसारी की पुत्री नुसरत जहां एवं पत्नी असीमून निशा, बड़ासी निवासी राम बहादुर राम की पत्नी कलिया देवी, अंबाजीत सुकुलखपिया निवासी देवकांत सिंह एवं उनकी मां आसमानी देवी, बिहार नवादा निवासी बाल गोविंद चौहान की पत्नी तुलसी देवी, 5 वर्षीय पुत्री अंकिता कुमारी एवं पिता सुखदेव चौहान, आजाद नगर रूद्दी निवासी हेना, सबीना एवं गुलअफसा घायल हो गए।

बादम से बोकारो चलने वाली जेकेवाई नामक बस मीडिल स्कूल के समीप पुल के मोड के पास अनियंत्रित हो कर खेत में पलट गई। बस पलटते ही चालक व उप चालक फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक शराब के नशे में था। वह सोमवार की रात बारात से लौटकर सुबह बस चलाने आया था। घटना की सूचना मिलते ही एसआई चनेश्वर उरांव दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

बिजली का तार टूट कर दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण 5 दिनों से ग्रामीण अंधेरे में

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के काली पाथर गांव के सिद्धू कान्हु मोड़ के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर के बगल के विद्युत पोल से बिजली का तार टूट कर नीचे झूल रहा है जिसमें विद्युत धारा प्रवाहित हो रही है। ग्रामीणों के द्वारा सूचना देने के बावजूद अभी तक विभाग की ओर से ना तो मरम्मति की गई है और ना ही कोई मिस्त्री पहुंचा है। जिससे विद्युत के नंगे तार से कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 5 दिवस पूर्व आए आंधी से बिजली का तार टूट कर झूल रहा है और तब से ही ग्रामीण अंधेरे में जीने को विवश हैं। ग्रामीण बसंत कुमार, अनिल मड़ैया , अरशुला टूडू, नारायण सोरेन, देवीलाल बेसरा आदि ग्रामीणों ने आक्रोशित होते हुए कहा कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम लोग सड़क पर उतरेंगे।

आठवीं बोर्ड की एक दिवसीय परीक्षा हुई

दुमका/रानीश्वर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मंगलवार को दो पाली में आठवीं बोर्ड की परीक्षा हुई ।परीक्षा में 203 छात्र छात्रा शामिल हुई ।दो पाली में छह बिषय की कदाचार मुक्त परीक्षा हुई ।परीक्षा में उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुमिरदहा के 93 कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के 64 भारत सेबाश्रम के स्वामी प्रणवा नंद विद्या मंदिर के46 छात्र परीक्षा में शामिल हुए है। प्रभारी प्रधान अध्यापक सह केंद्र अधीक्षक बिश्वनाथ गोराई के देखरेख में वीक्षक गैबरियल सोरेन भजन कुमार सिंह मीनाक्षी दास ,बिनपनी मंडल एवं मिताली रुज ड्यूटी में तैनात थी ।

दुकान के बाहर से हुई बाइक की चोरी

दुमका/झारखंडदेखो/प्रतिनिधि। प्रखण्ड शिकारीपाड़ा में मोटरसाइकिल चोरों को पुलिस प्रशासन का जरा भी डर नहीं है क्योंकि सप्ताह या दो सप्ताह में बाइक चोरी की घटना का मामला देखने को मिलता है। ताजा मामले में दुर्गा मंदिर के पास स्थित कन्हैया लाल भगत का हैं। जहां उसकी दुकान के बाहर खड़ी हौंडा ड्रीम योगा मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। मोटरसाइकिल का नंबर जेएच04जी- 9056 है। कन्हैया लाल भगत ने बताया कि प्रतिदिन की तरह रविवार शाम को दुकान के बाहर मोटरसाइकिल खड़ी करके दुकान के अंदर गया था लेकिन दुकान से जब कुछ देर बाद बाहर निकला तो देखा बाहर मोटरसाइकिल खड़ी नहीं है। काफी खोजबीन करने के बाद मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। अन्ततः कन्हैया लाल भगत ने दिन सोमवार को मोटरसाइकिल चोरी के मामले को लेकर शिकारीपाड़ा थाने में आवेदन दिया है।जिला मुख्यालय दुमका मे भी इन दिनों चोरों ने 10दिन के अंदर नौ गाडी पर हाथ साफ किया है। पुलिस को अभी तक चोरों को पकड़ने में सफलता नहीं मिल पाई है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव ने की समीक्षा बैठक

देवघर। प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव ने अपने कार्यालय कक्ष में देवघर प्रखंड के सभी पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक के साथ बैठक कर प्रखंड में निर्माण हो रहे प्रधानमंत्री आवास की वस्तु स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि 2016 से 21 तक में 1069 आवास पेंडिंग हैं। जिस लाभुक ने पैसे लेकर अभी तक आवास का निर्माण पूरा नहीं किया है सभी को पंचायत सचिव के माध्यम से नोटिस भेजा जाएगा। अगर आप समय पर 1 महीने के अंदर आवास का निर्माण नहीं करते हैं, तो एफ आई आर दर्ज कर आप पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और पैसे की रिकवरी भी की जाएगी ।बी,डी,ओ श्री यादव ने बताया क्या 2021-22 में 343 आवाज पेंडिंग है ।सभी पंचायत सचिवों को हिदायत दी गई की अभिलंब सभी लाभुकों को नोटिस भेज कर ससमय आवास पूर्ण करने को कहें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई करते हुए पैसे की रिकवरी भी की जाएगी। बैठक में शशिकांत पाठक, सुधांशु शेखर सिंह ,संगीता मिश्रा, राजहंस पांडे, मुकेश पांडे, विजय पांडे, कन्हाई दास ,आशीष कुमार, बासुदेव यादव, सुशील शेखर, शशांक शेखर सहित सभी पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक उपस्थित थे।

टटकियो नावाडीहः मुखिया प्रत्याशी सह वर्तमान मुखिया जागेश्वर दास की धर्मपत्नी पार्वती देवी ने की जनसंपर्क

देवीपुर । प्रखंड के टटकियो नावाडीह पंचायत की मुखिया प्रत्याशी सह वर्तमान मुखिया जागेश्वर दास की धर्मपत्नी पार्वती देवी ने जनसंपर्क की। इस दौरान उन्होंने अपने पक्ष में लोगों से मतदान करने की अपील की है। उन्होंने यह भी बताई है कि उनके पति वर्तमान मुखिया बन कर वंचित लोगों को लाभ दिया। पेंशन, पीएम आवास, शेड भी

जरूरतमंद वालों को दिया। आवास, पेयजल सुविधा आदि काम किया। घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, जमीन संबंधी छोटे मोटे मामले में लोगों के घर जाकर समाधान किए। महिला सीट हो जाने उन्हीं के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए जनता से क्रम संख्या एक पर चुनाव चिह्न सेब छाप पर मुहर लगाकर भारी मतों से विजय बनाने की अपील की है। मौके पर सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ ने किया बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका/जामा। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में मंगलवार को निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव के नेतृत्व में सेक्टर पदाधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा प्रथम चरण के मतदान कर्मियों को एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव एवं सेक्टर पदाधिकारी के मौजूदगी में तकनीक विशेषज्ञों ने मतदानकर्मियों को मतदान बॉक्स खोलने लगाने सील करने, मतपत्र का उपयोग, पेपर की गुणवत्ता, अमिट स्याही, पेपर सील करने की जानकारी दी और मतदान में प्रयुक्त होने वाली प्रशिक्षण सामग्री, प्रशिक्षण हस्तपुस्तिका सहित सामग्री की जानकारी दी। बताते चलें कि पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में 14 मई को मतदान होना है। पहले चरण में रामगढ़, काठीकुंड, शिकारीपाड़ा तथा गोपीकांदर प्रखंड में मतदान होगा। जिसके लिए मतदान दल को रवाना किया जाएगा। इससे पहले सामग्री की पैकेटिंग करने का निर्देश दिया गया। मौके पर सभी मतदान कर्मियों को अग्रिम चुनाव खर्च की राशि भी दी गई।बैठक के दौरान सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी आशीष कुमार मंडल बीसीओ सखी चंद्र दास, एमओ हरे कृष्ण देव, नवीन कुमार, पंकज, विकास कुमार मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

32 केंद्रों में शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त आठवीं बोर्ड की परीक्षा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका/जामा। झारखंड अधिविद् परिषद रांची द्वारा आयोजित आठवीं की बोर्ड परीक्षा मंगलवार को जामा प्रखंड के चिन्हित परीक्षा केंद्रों पर कदाचार मुक्त सम्पन्न हो गई।उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी लीला कुमारी उपाध्याय ने बताया कि आठवीं बोर्ड की परीक्षा संचालित करने के लिए जामा में कुल 32 केंद्र बनाये गए थे, जिसमें आवश्यकतानुसार सभी केंद्रों में वीक्षकों एवं केंद्राधीक्षक की प्रतिनियुक्ति की गई थी।जैक के गाइडलाइंस के अनुसार परीक्षा समाप्ति के उपरांत सभी ओएमआर सीट एवं अटेंडेंस शीट को सील बंद करते हुए बीआरसी में बनाये गए बज्र गृह में जमा कर जिला नियंत्रण कक्ष भेज दिया गया। परीक्षा केंद्रों में पर्यवेक्षण के लिए सभी सीआरपी को अपने अपने संबंधित कार्यक्षेत्र में पड़ने वाले परीक्षा केंद्र का पर्यवेक्षण एवं सहयोग के लिए लगाया गया था । तीन तीन विषय आधारित परीक्षा दो पालियों में ली गई।

हनुमंत लला की प्राण प्रतिष्ठा सह पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ संपन्न

बेरमो। 8 मई से यज्ञीय कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। सन्ध्या में युग संगीत व प्रवचन हुए। देव पूजन, हवन, और वैदिक रीति से सभी संस्कार किया गया ।सन्ध्या युग संगीत, प्रवचन और भव्य दीप महायज्ञ सम्पन्न हुआ ।बहु संख्या में श्रद्धालु भाई-बहनों तथा बच्चों ने विधिवत विभिन्न संस्कारों से संस्कारित हुए। मंगलवार को हवन यज्ञ के साथ राम भक्त हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। बहुत ही श्रद्धापूर्वक सुभाष नगर के श्रद्धालु परिवार तीन दिवसीय यज्ञ में तीनो दिन समय पर श्रद्धालुओं ने आकर यज्ञ मे भाग लिया। यज्ञ संचालन में आचार्य धानेश्वर भाई साहब, डालेशवर भाई साहब, भोला प्रसाद भाई शाहब तथा लखन भाई रहे ।पूर्व वार्ड पार्षद अशोक अग्रवाल, जय बहादुर थापा,सजय कुमार सिंह, हरिलाल देवी, राजकुमारी देवी, गीता देवी, पार्वती देवी, चन्द्रावती देवी,प्रभात साहू, विष्णु सिंह, इन्दु सिन्हा, शिव प्रसाद, संयुक्ता देवी, सुमित्रा देवी, दिनेश सिंह, कल्पना देवी, श्रिया कुमारी, रेवती देवी, निमिया देवी तारा देवी, पार्वती महतो, कामता सिंह, आदि मुख्य रूप से शामिल हुए।

उपायुक्त नैंसी सहाय ने रियलिटी शो के चर्चित बाल कलाकार, अथर्व बक्शी को हारमोनियम देकर किया सम्मानित

- **दस वर्ष के अथर्व के प्रतिभा और गायन सुन उपायुक्त हुई मंत्रमुग्ध**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हज़ारीबाग/स्वर स्वर्ण भारत रियलिटी शो के प्रतिभागी हजारीबाग के बाल कलाकार अथर्व बक्शी को उपायुक्त नैन्सी सहाय ने अपने कार्यालय वेश्म में भेट स्वरुप हरमोनियम देकर सम्मानित किया। सम्मानित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि इस छोटी सी उम्र में गायन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाना बड़ी बात है। उपायुक्त ने अपने कार्यालय कक्ष में बाल कलाकार अथर्व बक्शी के गायकी को सुना और प्रभावित हुई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद दिया।

अथर्व फिलहाल बहुत छोटी सी उम्र में हैं लेकिन गायकी से उनका कद बहुत बड़ा लगता है। वर्तमान मे अथर्व मुंबई में सुरेश वाडेकर अकादमी से शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ले रहे हैं। इनके माता पुरवा बक्शी एवं पिता सत्येंद्र बख्शी हजारीबाग झील रोड नूरा के निवासी हैं वर्तमान में इनकी शिक्षा दीक्षा मुंबई में हो रही है। ज़ी टीवी के स्वर स्वर्ण भारत सिंगिंग रियलिटी शो के 28 प्रतिभागियों में अथर्व का चयन टॉप 8 में हो गया है। अथर्व स्वर स्वर्ण भारत प्रतियोगिता के ग्रुप में सबसे छोटी उम्र का कलाकार है। इस रियलिटी शो के जज कैलाश खैर, कुमार विश्वास और सुरेश वाडेकर और रवि किशन है। पिछले 2 साल में अथर्व ने गायन के 6 ऑनलाइन प्रतियोगिता को जीता है। उपायुक्त द्वारा सम्मानित किये जाने के क्रम में अथर्व के साथ उनकी दादी सुनीता बक्शी,चाचा संजय कुमार बक्शी एवं इनके परिवार के सदस्य व संस्कृति कर्मी डॉक्टर प्रहलाद सिंह मौजूद थे।

आचार संहिता का हुआ उल्लंघन तो होगी सीधी कार्रवाईः चुनाव पर्यवेक्षक

अब क्या मुर्गा दुकानों पर भी रहेगी चौकसी....!

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी/गिरिडीह। पंचायत चुनाव के चौथे चरण के मतदान के साथ ही चुनाव संपन्न हो जाएगा।लेकिन इससे पूर्व के करीब 14 दिनों का समय सभी प्रत्याशियों के लिए बहुत ही खास होने वाला है। एक ओर जहां 37 पंचायतों के डुमरी प्रखण्ड में विभिन्न पदों के प्रत्याशियों में विजय का सेहरा पहनने को उनके चेहरे खिले खिले नज़र आ रहे हैं।सभी जीत की दावेदारी जताने में लगे हुए हैं।वहीं प्रखंड में इस बार मुखिया,पंसस,जिप सदस्य और वार्ड सदस्य के पदों पर भारी भरकम संख्या बढ़ी दावेदारी कर सभी नए प्रत्याशियों ने तो एक बहुत ही सराहनीय कार्य कर दिखाया है।बात उनके साहस और लोकतंत्र तथा पंचायती राज प्रणाली में

आस्था की करें तो आम जनमानस में जागरूकता एक बहुत ही अच्छी पहल है।जीत चाहे जिसकी भी हो, किंतु तथाकथित रसूखदारों की बोलती बंद प्रतीत होने लगी है।

अब जैसे सुदामा के द्वार भगवान पहुंचने लगे हैं।सचमुच यही तो प्रजातंत्र है,जिस अधिकार के लिए वीर रणबांकुरों ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश को आज़ादी दिलाई। उस आजाद भारत में पंचायती राज्य प्रणाली की स्थापना बहुत महत्वपूर्ण जनाधिकार के रूप में सामने आया है।

ऐसे में मतदाताओ के आज अपने अधिकार को समझ स्वविवेक से अपना और सामाजिक हितों को ध्यान में रखकर फैसला लेने की घड़ी है।

इधर झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय सचिव रेणु देवी ने कहा है कि पांच साल में एक बार सिर्फ चुनाव के वक्त जनता के बीच दारु, रुपया बांटने व मुर्गा खिलाने वाले प्रत्याशी चुनाव जीतने के बाद जनता को पांच साल मुर्गा बनाते हैं, और जनता के हिस्से का आवास, राशन और शौचालय आदि खा जाते हैं।उन्होंने कहा कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए दारु, रुपया और मुर्गा बांटकर रोटी, बोटी और घोंटी की जय का नारा दे रहे हैं, जिस पर चुनाव आयोग व प्रशासन को कड़ी निगाह रखने की जरूरत है और ऐसे लोगों के चुनाव जीतने का परिणाम जनता पहले भी देख चुकी है।वहीं डुमरी में चुनाव पर्यवेक्षक महोदया ने स्पष्ट कर ही दिया है कि प्रखंड के प्रत्येक पंचायतों में उनके लोग सभी प्रत्याशियों की निगरानी करने में पूरी तरह चौकस हैं।

बुधवार को किया जाएगा व्यय पणजी की जांचः बीडीओ जितेंद्र कु यादव

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। निर्वाचि पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि देवघर प्रखंड में 23 पंचायतों में कुल 23 मुखिया एवं 285 वार्ड सदस्य के लिए चुनाव होना है। जिसमें दिनांक 11:05: 2022 को सुबह 11:00 बजे से 3:00 बजे तक व्यय पंजी का जांच सभी प्रत्याशियों का किया जाना है। इसके लिए पंचायत वाइज 11 काउंटर बनाया गया है। जिसमें सभी वार्ड सदस्यों का व्यय पंजी जांच

होगा तथा मुखिया प्रत्याशियों के लिए अंचल कार्यालय में काउंटर बनाया गया है। निर्वाचि पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री यादव ने बताया कि जो अभ्यर्थी अपना व्यय पं जी जांच नहीं कराएंगे, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी तथा संभव हुआ तो 3 वर्ष से 5 वर्ष तक के लिए उन्हें चुनाव न लड़ने के लिए प्रतिबंधित भी किया जा सकता है। बताते चलें कि देवघर प्रखंड में कुल 1140 पदाधिकारियों को चुनाव ड्यूटी में लगाया गया है तथा पूरे प्रखंड को दो जोन में बांटा गया है ।जॉन का निर्माण थाना वाइज किया गया है तथा एक सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की भी नियुक्ति की गई है। मौके पर शशांक शेखर, लक्ष्मी नारायण रावत ,नगाम किस्कु, सुशील हेंब्रोम, सोनल ,बेबी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

भवानी भंडार के मालिक बबलू सिंह उर्फ रंजन सिंह का हार्ट अटैक से निधन

बेरमो /फुसरो-कुरपनियां। निवासी दिलीप सिंह के भतीजा बबलू सिंह उर्फ रंजन सिंह का निधन बोकारो हॉस्पिटल ले जाने के क्रम में हो गया. कुरपनिया स्थित उनका भवानी स्टोर किराना दुकान है। निधन का कारण उनके छाती में दर्द के बाद हार्ट अटैक हो जाना बताया गया.उनके पार्थिव शरीर का दाह संस्कार दामोदर नदी रामविलास हाई स्कूल के निकट किया गया। बबलू सिंह उर्फ रंजन सिंह के आकस्मिक निधन

पर संवेदना व्यक्त करते हुए दिनेश कुमार सिंह, शंभु प्रसाद, सुशील सिंह, चंद्रप्रकाश सिंह उर्फ सीपी सिंह, शंकर सिन्हा ने कहा कि शोक संतप्त परिवार को ईश्वर दुख सहने की साहस प्रदान करें। सभी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति ने विश्व कवि रविंद्रनाथ टैगोर की जयंती मनाई

धनबाद। झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति ने एलसी रोड हीरापुर में साहित्य में नोबेल पुरस्कार विजेता सह विश्वकवि रविंद्र नाथ टैगोर का 162वा जयंती मनाया। इस अवसर पर सर्वप्रथम उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के संस्थापक वेंगू ठाकुर ने कहा कि रविंद्र नाथ टैगोर एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे। जिसकी परिकल्पना हम नहीं कर सकते, जिन्होंने भारत एवं बांग्लादेश दोनों देशों का राष्ट्रीय गीत लिखा।महात्मा गांधी ने रविंद्र नाथ टैगोर को गुरुदेव नाम की उपाधि दिया था। उनका जन्म कोलकाता जोड़ासाँखर जमीदार परिवार में हुआ था।उनकी हजारों हजार साहित्य रचनाएं हैं,इनमें मुख्य रूप से गीतांजलि पुस्तक बहुत ही सर्वश्रेष्ठ था। जो बाद में सभी भाषा में प्रकाशित हुआ। बांग्ला हिंदी इंग्लिश के अलावे विभिन्न भाषा में उनके द्वारा लिखे हुए किताब हैं।देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी उनकी भूमिका अहम रही।उन्होंने अपने लेख एवं कविता के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलनकारी को ऊर्जा देने का काम किया था। इस समिति ने वर्तमान झारखंड सरकार से यह मांग की है कि धनबाद सहित झारखंड के सभी जिलों में विश्वकवि रविंद्र नाथ टैगोर जी का नाम से रविंद्र भवन बनाया जाए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कंसारी मंडल, सम्राट चौधरी, राणा चट्टराज, सुशोभन चक्रवर्ती, रघुनाथ राय, कल्याण राय, आशीष सिन्हा, टनी बनर्जी, बादल सरकार, बबलू सरकार, राजू प्रमाणिक,पप्पू सूत्रधर, आदि लोग शामिल थे।

गोमिया मे मनरेगा कर्मियों का एक करोड़ 43 लाख बकाया

मनरेगा कर्मियों की हालत बद से बदत्तर, सुनने और देखने वाला कोई नहीं

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो /गोमिया । बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले मनरेगा मजदूरों का मज़दूरी भुगतान नहीं होने के कारण वे बेहाल हैं. वैसे पिछले वित्तीय वर्ष 2021 के अक्टूबर माह से मज़दूरी भुगतान नियमित रूप से नहीं हो रहा है. गोमिया में पिछले एक माह का करीब एक करोड़ 43 लाख रुपये की मज़दूरी भुगतान लंबित है. जबकि जिले में कई करोड़ रुपये बकाया होगा. मनरेगा योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। सरकार ने इस योजना को लाकर देश के 70 प्रतिशत

ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाले ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार देने की गारंटी की है. लेकिन इन दिनों गोमिया में इस योजना के तहत किये गए काम के एवज में उन्हें मज़दूरी नहीं मिल रही है. इस संबंध बताया गया कि पहली अप्रैल से 6 मई तक मज़दूरों का भुगतान बकाया है. वैसे पिछले वितीय वर्ष का भी मज़दूरी भुगतान लंबित है.कुएं, डोबा, दीदी बाड़ी और टीसीबी योजना, प्रधानमंत्री आवास, आंगनबाड़ी भवन निर्माण के तहत प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में मज़दूरों से काम कराये गए हैं.लेकिन मज़दूरी भुगतान नहीं होने के कारण उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया।

गोमिया प्रखंड में 36 पंचायत है. जिसमें चार पांच पंचायतों को छोड़ दें तो अमूमन सभी पंचायत ग्रामीण क्षेत्रों में आते हैं. पिछले दिनों सरकार की इस योजना अंतर्गत प्रत्येक पंचायत में कम से कम दो सौ मानव दिवस सृजन करने का लक्ष्य रखा गया था, ताकि हर बेरोजगार को काम मिल सके. इसी उद्देश्य के तहत कुआं, टीसीबी, दीदी बाड़ी योजना के अलावा मिट्टी के अन्य तरह के काम कराये गए. इन कार्यों के वजह से ग्रामीणों को गांव में ही काम मिल गया और वे पलायन को विवश नहीं हुए. लेकिन पिछले अक्टूबर माह से इन मजदूरों का मजदूरी भुगतान नहीं होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

संपादकीय

इस्लामिक कानूनों की माँग का औचित्य

भारत जैसे देश में इस्लामिक संगठन यदि 'ईशनिंदा' जैसे विवादित इस्लामिक कानूनों की माँग कर रहे हैं, तब इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। जरा यह भी देखने की आवश्यकता है कि सेकुलर बुद्धिजीवी इस तरह के कानूनों की माँग का विरोध करने की जगह किस कोने में दुबक गए हैं? जब भी देश में समान नागरिक संहिता जैसे सेकुलर कानून की माँग उठती है तब यही बुद्धिजीवी उछल-उछलकर विरोध करते हैं। स्पष्ट है कि वे कहने के लिए सेकुलर हैं, लेकिन उनका आचरण घोर सांप्रदायिक है, जिसमें हिन्दू विरोध और इस्लामिक तुष्टीकरण की झलक दिखाई देती है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने हाल ही में सम्पन्न हुई अपनी एक बैठक में भारत में पाकिस्तान के उस कानून को लागू करने का प्रस्ताव पारित किया है, जिसके तहत मोहम्मद पैगंबर साहब या कुरान के संबंध में अपमानजनक, आपत्तिजनक या आलोचनात्मक बात कहने पर मृत्युदंड का प्रावधान है। पाकिस्तान में इस कानून का दुरुपयोग सुधारवादी मुस्लिमों के विरुद्ध ही नहीं अपितु गैर-मुस्लिमों को भयाक्रांत करने और उन्हें दबाने के लिए किया जाता है। यह भी देखने में आया है कि सामान्य बात को भी 'ईशनिंदा' बताकर अनेक गैर-मुस्लिमों को प्रताड़ित और दंडित किया गया है। क्या भारत जैसे देश में इस प्रकार के सांप्रदायिक कानून की वकालत होनी चाहिए? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुस्लिम समाज को पिछड़ेपन से निकालकर उसे प्रगति की राह पर ले जाने के प्रयासों की बजाय ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जैसे संगठन उसे अब भी कूपमंडूक ही बनाए रखना चाहते हैं। इस सांप्रदायिक कानून की वकालत करते हुए बोर्ड ने तर्क दिया है कि पैगंबर मोहम्मद साहब के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां करने वालों के खिलाफ सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है इसलिए भविष्य में ऐसे लोगों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए एक कानून बनाया जाना चाहिए। बोर्ड का यह तर्क पूरी तरह बेबुनियाद और खोखला है। वरिष्ठ पत्रकार आलोक तोमर से लेकर हिन्दू नेता कमलेश तिवारी तक अनेक प्रकरण हैं, जिनमें लोगों की सामान्य अभिव्यक्ति को भी आपत्तिजनक टिप्पणी बताकर, उन पर कठोर कार्रवाई हुई है। आलोक तोमर को एक पत्रिका में कथित तौर पर मोहम्मद साहब पर बने कार्टून को प्रकाशित करने के लिए तिहाड़ जेल भेजा गया। वहीं, कमलेश तिवारी ने समाजवादी नेता आजम खान की विवादित टिप्पणी का प्रतियुत्तर देते हुए कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसके लिए उन्हें लंबे समय तक जेल में डाल दिया गया। जबकि वैसी ही विवादित टिप्पणी करने वाला आजम खान खुलेआम घूमता रहा। बाद में, इस्लामिक जेहादियों ने कमलेश तिवारी की हत्या कर दी। भारत के संविधान और कानून व्यवस्था में पहले से ही ऐसे प्रावधान हैं, जो सबकी धार्मिक भावनाओं को सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। तब विवादित इस्लामिक कानूनों को भारत में लागू करने का क्या औचित्य है, इस पर संपूर्ण समाज को गंभीरता से चिंतन करना चाहिए।

> ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने हाल ही में सम्पन्न हुई अपनी एक बैठक में भारत में पाकिस्तान के उस कानून को लागू करने का प्रस्ताव पारित किया है, जिसके तहत मोहम्मद पैगंबर साहब या कुरान के संबंध में अपमानजनक, आपत्तिजनक या आलोचनात्मक बात कहने पर मृत्युदंड का प्रावधान है।

विचार

मोदी का हाथ योगी के कंधे पर रखकर चलने वाली इस तस्वीर ने योगी एवं मोदी के संबंधों को भी स्पष्ट कर दिया

उत्तरप्रदेश में नया सूरज उगाने का योगी-संकल्प

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक तस्वीर इनदिनों मीडिया एवं सोशल मीडिया पर छायी हुई है, जो आगामी उत्तर प्रदेश के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार से जुड़ी अटकलों का जबाव बनी है। न केवल मुख्यमंत्री उम्मीदवार बल्कि उत्तर प्रदेश की भावी तस्वीर कैसी हो, इसका भी जबाव बनी है। मोदी का हाथ योगी के कंधे पर रखकर चलने वाली इस तस्वीर ने योगी एवं मोदी के संबंधों को भी स्पष्ट कर दिया है। इस एक तस्वीर ने बहुत कुछ कह दिया गया है, कुछ बाकी रहा जो योगी ने इन शब्दों में बयां कर दिया कि हम निकल गए हैं प्रण करके, अपना तन-मन अर्पण करके, जिद है एक सूर्य उगाना है, अंबर से ऊंचा जाना है, एक भारत नया बनाना है।' लगता है सूरज उगाना एवं नया भारत बनाना-उत्तर प्रदेश चुनावों में भाजपा का संकल्प होगा। यह तस्वीर न केवल भाजपा की उत्तर प्रदेश में भावी रणनीति को स्पष्ट कर रही है बल्कि अनेक शंकाओं का निदान एवं संभावनाओं को भी बयां कर रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के लखनऊ में प्रवास पर आना एवं रविवार को मोदी सुबह मुख्यमंत्री योगी के साथ एकांत में कंधे पर हाथ रखे बातचीत करते नजर आना एवं शाम को एयरपोर्ट पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ मुलाकात की तस्वीर का सामना आना- आगामी चुनाव की रणनीति का स्पष्ट करता है। मोदी के साथ योगी-केशव की आई तस्वीर यूपी में बीजेपी के भविष्य के राजनीति को बयां करने वाली बताई जा रही जा रही है। अगले साल 2022 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होना है, विभिन्न राजनीतिक दलों की नजरें ही नहीं, बल्कि उनकी सम्पूर्ण ताकत इन चुनावों में लगी है। दोबारा सत्ता में भाजपा के सूरज उगाने के लिए भाजपा कई रणनीतियों पर एक साथ काम कर रही है। इस बार पार्टी का फोकस उन विधानसभा सीटों पर है जिन पर 2017 के चुनाव में उसके प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में 403 सीटों में से 325 पर जीत हासिल की थी। उसे 78 सीटों पर पराजय का मुंह देखना पड़ा था। प्रश्न है कि क्या इस बार भी इतने प्रचंड सीटों के साथ भाजपा अपने सिर पर जीत का सेहरा बांध पायेगी? भाजपा का तर्क है कि प्रचंड लहर की स्थिति में जो प्रत्याशी नहीं जीत पाए थे उनका अगले चुनाव में जीतना मुमकिन नहीं है। इसलिए उन 78 प्रत्याशियों को टिकट नहीं दिया जाएगा, जो 2017 के चुनाव में हार गए थे। गौरतलब है कि भाजपा ने 2017 चुनाव के तत्काल बाद उन 78 सीटों की समीक्षा की थी, जहां उसे हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा संगठन ने समीक्षा में पाया था कि कई जगह प्रत्याशी का व्यक्तिगत प्रभाव, कई स्थानों पर प्रत्याशी की जाति का प्रभाव और कुछ जगह अन्य वजहों से हार हुई थी। इस चुनाव में पिछले चुनाव की तुलना में सबसे खास बात योगी आदित्यनाथ हैं। 2017 में बीजेपी के पास राज्य में पहले से कोई मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं था लेकिन इस बार योगी आदित्यनाथ का चेहरा है, जिनके पास सरकार को करीब पांच साल चलाने का अनुभव भी है और कुछ अनूठे संकल्प हैं। योगी ने नया सूरज उगाने की बात की हैं। सूरज एक ऐसा भूमण्डीय नक्षत्र है जो संपूर्ण सृष्टि का संचालन करता है। सूरज की ऊर्जा, ताप और प्रकाश जीवन की एक सार्थक व्याख्या है, क्योंकि बिना ऊर्जा के निष्प्राण चेतना मृत्यु है। बिना ताप के विकास की यात्रा निरुउद्देश्य है। बिना प्रकाश का जीवन घुप अंधेरों में डूबा मौन सन्नाटा है। अत: प्रकाश में ही हम जागती आंखों से सत्य की तलाश करते हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश के आंगन में सूरज का उतरना बुनियादी जरूरत है। इसकी अगवानी प्रदेश को गतिशीलता, तेजस्विता, कर्मशीलता देगी। प्रदेश के लिये सुखद जीवन, अपराध मुक्त परिवेश का सबब बनेगी। इस मायने में यह एक शुभ शुरुआत है। वर्ष 2022 के उत्तप्रदेश चुनावों में यह भी तय है कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी अलग अलग चुनाव मैदान में होगी, दोनों दलों ने पिछला विधानसभा चुनाव भी अलग अलग ही लड़ा था, लेकिन 2019 का आम चुनाव दोनों दलों ने एक साथ लड़ा था। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का समाजवादी पार्टी से गठबंधन था लेकिन इस बार यह मुश्किल लग रहा है। इस बार उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का चेहरा प्रियंका गांधी हैं और असदउद्दीन औवेसी भी चुनाव मैदान में होंगे। ये सभी चुनावी समीकरण भाजपा के लिये शुभ है। सबसे बड़ा शुभ तो योगी ने नया सूरज उगाने का संकल्प लेकर ही घटित कर दिया। क्योंकि सोए से उठने और उठकर चल पड़ने की प्रक्रिया का एक नाम है सूरज का उगना। समय की गति के साथ सूरज आकाश में चढ़ता है। ज्यों-ज्यों वह ऊंचाइयां मापता है, वह जमीं पर भी उतनी ही व्यापकता और विशालता के साथ प्रकाश-किरणों के पंख फैलाता है। वह अपने साथ हर सुबह मनुष्य के नाम नई सौगात लाता है इच्छाशक्ति की, संकल्पशक्ति की, कार्यजाशक्ति की, सुशासन की, ईमानदारी की, अपराधमुक्ति की। सघन अंधेरों की परतों को भेदकर जब सूरज आंगन में उतरता है तो प्रकृति का पौर-पौर प्राणवान हो उठता है, क्योंकि सूरज की अगवानी में जागती रात विकास की अनेक आकांक्षाएं दे जाती है। यही क्षण अभ्युदय का होता है, जिससे सृजनशील चेतना जागती है। सपने संकल्पों में ढलकर साध्य तक पहुंचने के लिए पुरुषार्थी प्रयत्नों में जुट जाते हैं। ऐसा ही परिदृश्य योगी के संकल्पों में निहित है। जीवन का एक नाम है प्रकाश। प्रकाश में सत्य की तलाश शुरू होती है। जीवन का दर्शन प्रकाश के दर्पण में ही सिमटा हुआ है जबकि अंधेरों में जीवन असुरक्षित, भयाक्रांत, आशंकित, कायर, कमजोर पड़ जाता है। जैसाकि योगी की पूर्व सरकारों के शासन में देखने को मिलता रहा है। भाजपा के संकल्पों में न केवल नया उत्तर प्रदेश बनने की आहट स्पष्ट सुनाई दे रही है बल्कि नया भारत भी इसी से बनने वाला है। क्योंकि अंधेरा चाहे बाहर का हो या भीतर का, दोनों ही जीवन की सार्थकता खो देते हैं। उत्तर प्रदेश का आदमी अंधेरों से डरता रहा है- कहीं कोई उसका वजूद ही खत्म न कर दे। कोई मार न दे। भय के काले साए उसका पीछा करते रहे हैं तब साहस, विश्वास, संकल्प, सोच सभी निष्क्रिय पड़े थे। अंधेरा जीवन का निषेधात्मक पक्ष है। इसकी पकड़ में पाप पलते रहे हैं, बुराइयों का प्रवेश सहजगम्य होता रहा है, क्योंकि यहां उन्हें किसी का भय नहीं होता। लेकिन योगी ने प्रदेश की यह तस्वीर बदली है। प्रगति के नये आयाम जोड़े हैं। ईमानदारी का शासन स्थापित किया है। अत: उनकी आगामी यात्रा पर संदेह करना, अधूरापन होगा। भाजपा संगठन का मानना था कि 2017 में जिस तरह की लहर थी उस परिस्थिति में पार्टी 50 सीटें और जीतने की स्थिति में थी। लेकिन प्रत्याशियों के व्यक्तिगत प्रभाव की कमी के चलते हार हुई थी। भाजपा इस बार उन 78 सीटों को काफी गंभीरता से ले रही है। इसलिए बीते चुनाव में इन सीटों से चुनाव हारने वाले प्रत्याशियों को रिपीट नहीं करने का निर्णय लगभग लिया जा चुका है। ऐसा नहीं है कि आगामी यूपी चुनाव में भाजपा सिर्फ 2017 में हारे प्रत्याशियों का ही टिकट काटने जा रही।

ललित गर्ग

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के लखनऊ में प्रवास पर आना एवं रविवार को मोदी सुबह मुख्यमंत्री योगी के साथ एकांत में कंधे पर हाथ रखे बातचीत करते नजर आना एवं शाम को एयरपोर्ट पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ मुलाकात की तस्वीर का सामना आना- आगामी चुनाव की रणनीति का स्पष्ट करता है।

ब्लॉग | ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा स्थापित योजना संस्थानों और कानूनों के कारण हुई

भारतीय शहरों की योजना कौन बनाता है

जब भी हमारे शहर किसी बड़े संकट का सामना करते हैं, जैसे हाल ही में चेन्नई में बाढ़ आई थी, तो भारत में शहरी नियोजन की 'अव्यवस्थित' स्थिति आदतन बहस का विषय बन जाती है। चूंकि शहरी नियोजन और उसके प्रवर्तन को भारत के 'निष्क्रिय' शहरों का गुनहगार बताया जाता है, इसलिए वर्तमान शहरी नियोजन व्यवस्था को रेखांकित करने वाली जड़ों की जांच करना महत्वपूर्ण है। शहर की योजना बनाने का अधिकार किसके पास है भारत के शहरी नियोजन कानूनों और प्रक्रियाओं को वैसे ही क्यों बनाया गया है, जैसे वे हैं हालांकि भारत की सांविधानिक व्यवस्था में, शहरी नियोजन स्थानीय निर्वाचित सरकारों का कार्य है, पर भारतीय शहरों में नियोजन का कार्य मुख्य रूप से राज्य सरकार के तहत गैर-प्रतिनिधि नौकरशाही की एजेंसियों द्वारा किया जाता है। भारत की स्थानीय शासन प्रणाली में 1992 में सांविधानिक सुधारों (73वें और 74वें संशोधन के रूप में) के साथ ग्रामीण और शहरी स्थानीय सरकारों को 'स्वशासी संस्थाओं' के रूप में काम करने के लिए सशक्त बनाने के साथ महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ। 74वां संशोधन निर्वाचित नगर पालिकाओं को आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय और 12वीं अनुसूची के तहत सूचीबद्ध विषयों के लिए योजनाओं को तैयार करने और लागू करने की शक्ति प्रदान करता है। शहरी नियोजन, भूमि उपयोग का नियमन और आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए नियोजन 12वीं अनुसूची में सूचीबद्ध पहले तीन विषय हैं। इसके अलावा, 74वां संशोधन दस लाख से अधिक की आबादी वाले महानगरीय शहरों के लिए एक मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग कमेटी (एमपीसी) के निर्माण को अनिवार्य बनाता है, जिसमें कम से कम दो-तिहाई सदस्य चुने हुए स्थानीय प्रतिनिधि होते हैं, ताकि स्थानीय निकायों द्वारा तैयार की गई योजनाओं को शामिल करते हुए महानगरीय क्षेत्र के लिए विकास योजना तैयार की जा सके। इसलिए, सांविधानिक सुधारों ने निर्वाचित नगर पालिकाओं को शहरी नियोजन के कार्य के साथ-साथ एमपीसी के साथ जोड़ा है, जो बड़े क्षेत्र के लिए योजना तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, नगरपालिका सरकार या एमपीसी के बजाय ये राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित विकास प्राधिकरण हैं, जो मुख्य रूप से भारत के अधिकांश प्रमुख शहरों में शहरी नियोजन का कार्य करते हैं। विकास प्राधिकरण वैधानिक एजेंसियां हैं, जो शहर में ढांचागत विकास और आवास परियोजनाओं के साथ-साथ शहरी नियोजन के लिए जिम्मेदार हैं। ये नौकरशाही की एजेंसियां हैं, जिनकी किसी स्थानीय प्रतिनिधि या स्थानीय सरकार के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। ये एजेंसियां मास्टर प्लान तैयार करती हैं, जो हर 10-20 वर्षों में शहर भर में भूमि उपयोग और विकास को नियंत्रित करती हैं। भारत की वर्तमान शहरी नियोजन प्रणाली की उत्पत्ति 1896 में बंबई में आए बुबोनिक प्लेग की प्रतिक्रिया में ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा स्थापित योजना संस्थानों और कानूनों के कारण हुई है। प्लेग की शुरुआत तक, ब्रिटिश मुख्य रूप से छावनी और आसपास के सिविल लाइंस के प्रशासन से मतलब रखते थे, जहां वे रहते थे। हालांकि प्लेग से बंबई की लगभग छह प्रतिशत आबादी की मौत हुई और शहर में व्यवसाय ठप हो गया, लेकिन औपनिवेशिक सरकार ने पूरे शहर में दखल देकर उसे विनियमित करने की आवश्यकता महसूस की। बॉम्बे इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट 1898 में बनाया गया था। यह ट्रस्ट भौतिक योजना बनाने, नई सड़कें बनाने, घरों के निर्माण और बीमारियों के प्रकोप को रोकने के उद्देश्य से भीड़भाड़ वाले इलाकों को कम करने के लिए जवाबदेह था।

> शहरी नियोजन के लिए अधिकांश राज्य केंद्र सरकार के 1960 के मॉडल टाउन ऐंड कंट्री प्लानिंग कानून पर निर्भर हैं, जो स्वयं 1947 के ब्रिटिश टाउन ऐंड कंट्री प्लानिंग ऐक्ट से लिया गया है, जबकि ब्रिटेन में भी इसे पूरी तरह से बदल दिया गया है।

चिंता एक मुसीबत है और चिंतन उसका समाधान

मनुष्य के जीवन में जीने के दो रास्ते हैं चिंता और चिंतन। यहां पर कुछ लोग चिंता में जीते हैं और कुछ चिंतन में। चिंता में हजारों लोग जीते हैं और चिंतन में दो-चार लोग ही जी पाते हैं। चिंता स्वयं में एक मुसीबत है और चिंतन उसका समाधान। चिंता होने से आसान से भी आसान कार्य मुश्किल लगने लगता है जबकि चिंतन मुश्किल से भी मुश्किल कार्य को काफी आसान बना देता है। जीवन में हमें इसलिए पराजय नहीं मिलती कि कार्य बहुत बड़ा था। हमें इसलिए पराजय मिलती है क्योंकि हमारे प्रयास बहुत छोटे होते हैं। हमारी सोच जितनी छोटी होगी, हमारी चिंता उतनी ही बड़ी होगी। हमारी सोच जितनी बड़ी होगी, हमारे कार्य करने का स्तर भी उतना ही श्रेष्ठ होगा। जीवन में कठनाइयां आती अवश्य हैं लेकिन चिंता किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकती। चिंता हमारी सोचने की क्षमता को अवरुद्ध कर देती है और यही अवरोध हमारे दुखों का मूल कारण बनते हैं। चिंताग्रस्त व्यक्ति एक बार नहीं अनेक बार मरता है। वह एक बार नहीं आजीवन जलता रहता है। किसी भी समस्या के आ जाने पर उसके समाधान के लिए विवेकपूर्ण निर्णय ही चिंतन है। चिंतनशील व्यक्ति के लिए कोई न कोई मार्ग अवश्य मिल भी जाता है। उसके पास विवेक है और वह समस्या के आगे से हटता नहीं बल्कि डटता है। समस्या के आगे डटना, समस्या का डटकर मुकाबला करना ही आधी सफलता प्राप्त कर लेना है। आप अगर आध्यात्मवादी हैं तो फिर चिंतन करिए उस पावन प्रभु का जो बिन चाहे ही हम आप सब की चिंताओं का हरण कर लेते हैं। सच कहूं तो प्रभु नाम में विश्वास से बढ़कर कोई श्रेष्ठ चिंतन नहीं और चिंता का निवारण भी नहीं है।

पाठक पत्र

अब घर बैठे भी बना सकते हैं वोटर कार्ड

देश के कुछ राज्यों में कुछ ही महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। चुनाव आयोग ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। नए मतदाता पहचान पत्र बनाने, पुराने में गलती सुधार करने, इसमें किसी भी तरह का संशोधन करने के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिए हैं। हमारे देश में मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए एक जटिल प्रक्रिया थी। इसमें बूथ लेवल ऑफिसर के पास लोगों को अपना मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए जाना पड़ता था। उसके पास जाकर कागजी कार्यवाही करनी पड़ती थी। इससे लोगों का समय बर्बाद होता था। लेकिन अब मतदाता सूची में नाम शामिल करने, कटवाने, इसमें गलती सुधार के लिए डिजिटल तरीका अपनाते हुए चुनाव आयोग ने इसके लिए ऑनलाइन सुविधा मतदाताओं को उपलब्ध करवा दी है।

-राजेश कुमार चौहान, सुजानपुर टीहरा

कुछ अलग

अनाज हो थोड़ा और पौष्टिक तो जीत जाएंगे जंग

आधुनिकता तरक्की, विकास की ओर बढ़ते भारत की एक कड़वी सचाई यह भी है कि देश में इस समय लगभग 15.2 फीसदी लोग कुपोषण के शिकार हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में हर दूसरी महिला खून की कमी से पीड़ित और हर तीसरा बच्चा अविकसित है। शर्म की बात यह भी है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 116 देशों की सूची में भारत का स्थान 101वां हो गया है। देश की इन्हीं सचाइयों को ध्यान में रखते हुए हाल ही में मिड डे मील के तहत बांटने वाले चावलों में आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 का समावेश यानी फूड फोर्टिफिकेशन करने की घोषणा हुई। यही नहीं सरकार की ओर से हाल ही में गेहूं, चावल के साथ अन्य अनाज और तेल समेत 16 खाद्य पदार्थों की 17 ऐसी नई बायोफोर्टिफाइड फसलों को तैयार किया है जिनमें प्रोटीन, जिंक, आयरन, कैल्शियम तथा कई और विटामिन, मिनरल्स का समावेश है। इनको मिलाकर देश में जेनेटिक रूप से तैयार की गई ऐसी फसलों की गिनती 71 पहुंच गई है। फूड फोर्टिफिकेशन के फायदे कोई नए नहीं हैं। देश तो क्या विश्व भर में कुपोषण और विटामिन-मिनरल्स की कमी से जूझते लोगों के लिए फूड फोर्टिफिकेशन कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाए जा रहे हैं। इस समय 140 देशों में नमक में आयोडीन मिलाया जाता है, इनमें से 102 देशों में यह कानूनी रूप से जरूरी है। आटे में फोर्टिफिकेशन करना कानूनी रूप से वर्ष 1942 में शुरू किया गया था और इस समय 85 देशों में आटा, चावल, मक्का में इसका नियम है। इसी प्रकार बहुत से देशों में कई बीमारियों और कुपोषण से लड़ने के लिए तेल, चीनी, दूध में तमाम विटामिन, प्रोटीन का समावेश वर्षों से किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि चावलों में विटामिन और मिनरल्स खासतौर पर आयरन का समावेश करने से आयरन की कमी 35 फीसदी कम देखी गई है। लेकिन हमारे देश में चावल के फोर्टिफिकेशन की योजना को सही तरह से लागू करने के तरीकों और इससे होने वाले लाभों पर विशेषज्ञों में मतभेद हैं। सबसे बड़ा सवाल फोर्टिफिकेशन चावल की क्वॉलिटी को लेकर है। विशेषज्ञ मानते हैं कि फोर्टिफिकेशन प्रॉसेस के दौरान चावलों में मिलाए जाने वाले विटामिन और मिनरल्स युक्त दाने (कर्नेल) शक्ल व स्वाद में बिल्कुल चावल जैसे ही होते हैं। साथ ही इस प्रॉसेस की लागत बहुत होती है। ऐसे में चावलों में सही मात्रा में ये दाने मिलाए जा रहे हैं या नहीं, इसकी जांच कैसे होगी, यह बड़ा सवाल है। इसके लिए समय-समय पर फोर्टिफाइड चावलों के नमूनों को उठाना, उनकी जांच हेतु बड़ी संख्या में लैब होना जरूरी है जिसका देश में अभाव है।

> सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में हर दूसरी महिला खून की कमी से पीड़ित और हर तीसरा बच्चा अविकसित है। शर्म की बात यह भी है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 116 देशों की सूची में भारत का स्थान 101वां हो गया है।

देश दुनीया से

खिन्नता के आगोश में

लम्हे फिसलने लगे, तो लबों पे गुस्सा छाया। कुछ इसी तरह के दुर्योग में फंसी हिमाचल भाजपा के लिए अपना पक्ष मजबूती से रख पाना अगर कठिन नहीं, तो इतना भी आसान नहीं कि चार उपचुनाव परिणामों से लहूलुहान आत्मबल को बिखरने से बचा ले। अति परीक्षा की घड़ी में कठपुतली राजनीति नहीं चलती और इसी को प्रमाणित करता पार्टी उपाध्यक्ष कृपाल परमार का इस्तीफा आपसी लुका-छिपी की परतों को कुरेद रहा है। पूर्व सांसद कृपाल परमार ने इस्तीफे के जरिए अपनी खिन्नता प्रकट नहीं की, बल्कि यह भी बता दिया कि सत्ता और संगठन के बीच 'कठपुतली नृत्य' अब ज्यादा समय नहीं चलेगा। परमार के अपने कारण हो सकते हैं या फतेहपुर से उनका टिकट कट जाना इतना आहत कर गया कि वह अब सत्ता के दामन पर दाग चुनने लगे। इससे पूर्व रमेश धवाला ने भी सत्ता और संगठन के बीच आंख मिचौनी तथा सरकार पर हावी गरूर का जिक्र किया है। ये दोनों नेता कांगड़ा से ही हैं, जहां वर्तमान सरकार के ऊंट सीधी करवट नहीं बैठ रहे हैं। बड़े नेता किशन कपूर को किस तरह मंत्री की हैसियत से उतार कर संसद का दरवाजा दिखाया गया या दूसरे वरिष्ठ नेता विपिन सिंह परमार से भी मंत्री पद छीना गया था, किसी से छिपा नहीं। राज्य सरकार के बीच या सत्तापक्ष के बाहर राजनीतिक कसौटियां इस समय दबाव में हैं। अगले साल विधानसभा चुनाव के मुहाने पर खड़े परिदृश्य में अगर आंतरिक भूमिकाओं की रंजिश न होती, तो मुख्यमंत्री को मंडी संसदीय क्षेत्र की हार की समीक्षा करते हुए यह न कहना पड़ता कि भितरघात कितना आमादा रहा। कांग्रेस पर सहानुभूति के दम पर वोट बटोरने का इल्जाम लगा दें या महंगाई को कोस दें, लेकिन कहीं सत्ता के खोट में परेशानियां बढ़ी हैं। हार के रहस्यों में कहीं रार तो कहीं दीवार है। पार्टी के कान अगर विधायक रमेश धवाला की शिकायतों को ही सुन लेते, तो सत्ता सुख के अवगुण मिट जाते। कोर ग्रुप की मीटिंग के ऐन पहले कृपाल परमार का पार्टी पद से त्यागपत्र सिर्फ एक पुलिंदा नहीं, जज्बातों में भरा गुबार है। यह निचले स्तर की हकीकत है, जिसे आरंभ से ही सत्तापक्ष नजरअंदाज कर रहा है। दरअसल भाजपा ने हिमाचल में जो प्रयोग किए, उनके साइड इफेक्ट अब सामने आ रहे हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विधानसभा के पांच व एक संसदीय क्षेत्र का उपचुनाव कई इबारतें लिख गए। इनमें उम्मीदवारों का चयन, सरकार और संगठन के बीच तालमेल, मुख्यमंत्री पद का रुतबा, केंद्र में हिमाचल के सांसदों और विशेषकर मंत्री के रूप में अनुराग ठाकुर का प्रदर्शन भी सामने आएगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जगत प्रकाश नड्डा का गृह राज्य सत्ता को क्यों दगा दे गया। क्या चंद नेताओं, संघ परिवार की प्रभावशाली टोली तथा नड्डा के मार्गदर्शन में सरकार नहीं चली। हमारा मानना है और यह सत्ता के लाभार्थियों पर नजर दौड़ाकर पता चल जाता है कि किस पद पर कौन-कौन अवतार घोषित हुए। पार्टी के भीतर कौन दोस्त और दुश्मन माने गए। यह मंत्रिमंडल की बनावट और सजावट का ही प्रश्न नहीं, बल्कि सरकार से हासिल लाभकारी पदों का उल्लेख भी है। क्यों कांगड़ा के सबसे बड़े ओबीसी नेता को प्रताड़ित किया गया या अब विरोध की लाल लकीर पर खड़े कृपाल परमार को किसने दरकिनार किया। भाजपा के बड़े नेताओं में शुमार डा। राजीव बिंदल, किशन कपूर और विपिन सिंह परमार क्यों और किसके इशारे पर अयोग्य ठहराए गए।

> पूर्व सांसद कृपाल परमार ने इस्तीफे के जरिए अपनी खिन्नता प्रकट नहीं की, बल्कि यह भी बता दिया कि सत्ता और संगठन के बीच 'कठपुतली नृत्य' अब ज्यादा समय नहीं चलेगा। परमार के अपने कारण हो सकते हैं या फतेहपुर से उनका टिकट कट जाना इतना आहत कर गया कि वह अब सत्ता के दामन पर दाग चुनने लगे।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

शौक को बनाएं अपना कॅरियर

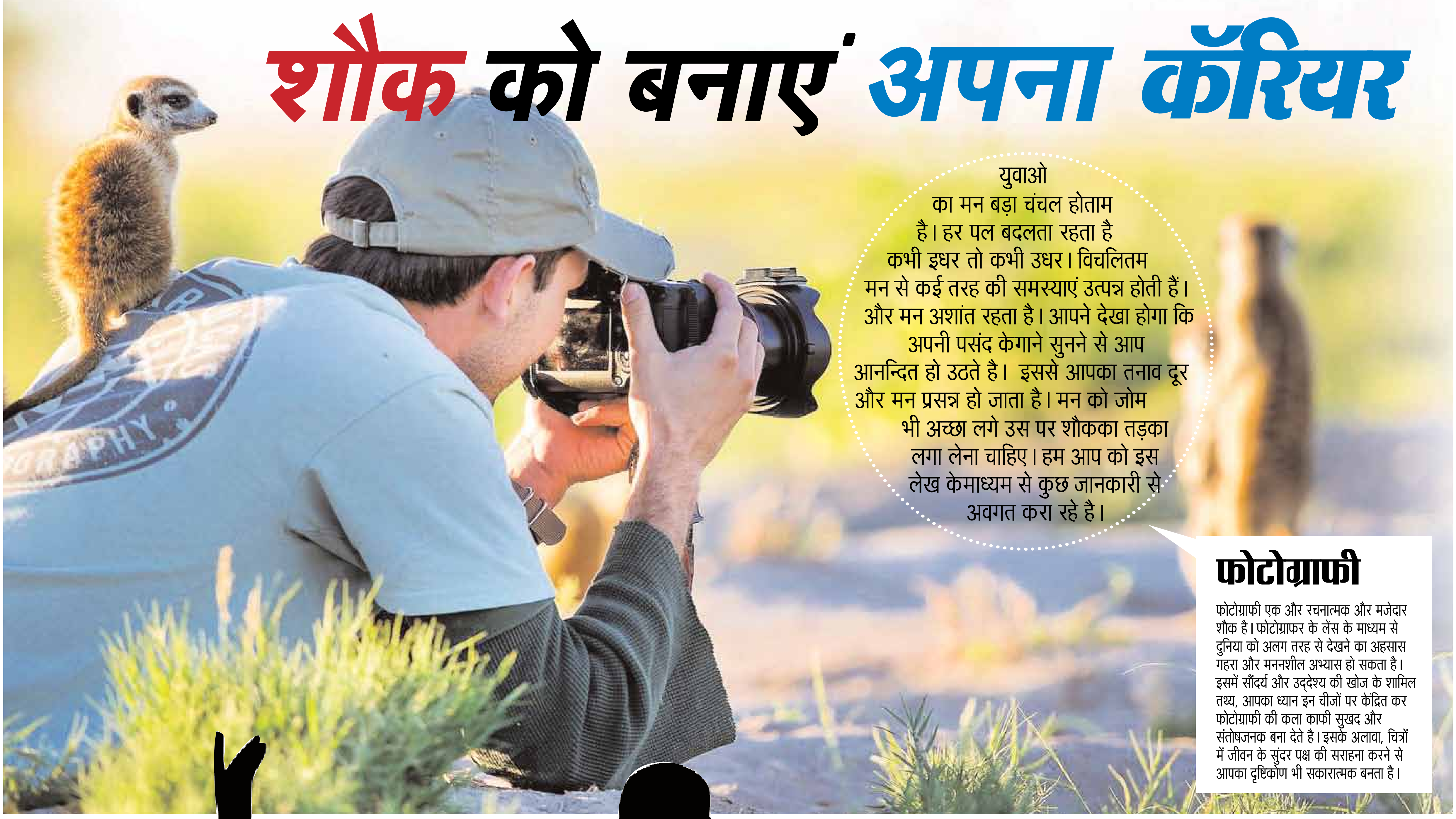

युवाओ का मन बड़ा चंचल होताम है। हर पल बदलता रहता है कभी इधर तो कभी उधर। विचलितम मन से कई तरह की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। और मन अशांत रहता है। आपने देखा होगा कि अपनी पसंद केगाने सुनने से आप आनन्दित हो उठते है। इससे आपका तनाव दूर और मन प्रसन्न हो जाता है। मन को जोम भी अच्छा लगे उस पर शौकका तड़का लगा लेना चाहिए। हम आप को इस लेख केमाध्यम से कुछ जानकारी से अवगत करा रहे है।

फोटोग्राफी

फोटोग्राफी एक और रचनात्मक और मजेदार शौक है। फोटोग्राफर के लेंस के माध्यम से दुनिया को अलग तरह से देखने का अहसास गहरा और मननशील अभ्यास हो सकता है। इसमें सौंदर्य और उद्देश्य की खोज के शामिल तथ्य, आपका ध्यान इन चीजों पर केंद्रित कर फोटोग्राफी की कला काफी सुखद और संतोषजनक बना देते है। इसके अलावा, चित्रों में जीवन के सुंदर पक्ष की सराहना करने से आपका दृष्टिकोण भी सकारात्मक बनता है।

कहते हैं ना शौक बड़ी चीज होती है। शौक आपके मन-मस्तिष्क को शांत रखता है। आप किसी काम को तल्लीनता से करते हैं, तो आपका अतिसक्रिय मन ठहर जाता है। एक उत्पादक शौक से आप स्वयं को नये सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। आप किसी पुराने शौक को नये सिरे से देख सकते हैं, या फिर नया शौक आजमा सकते हैं। और देखिये शौक कैसे आपकी जिंदगी को बदल देता है।

संगीत

संगीत का शौक तो लगभग हर किसी को होता है और तनाव को दूर करने का यह सबसे अच्छा साधन भी माना जाता है। अगर आपको घर मे समय नहीं मिलता है तो लंबी दूरी तय करने के दौरान अपनी पसंद का संगीत सुनें। शोधकर्ताओं के अनुसार, लयबद्ध संगीत मस्तिष्क को उत्तेजित कर मस्तिष्क संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए एक चिकित्सकीय प्रभाव देता है। एक परिचित माधुर्य के साथ कोमल संगीत से तनाव हार्मोन कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में मदद मिलती है। लेकिन ध्यान रहें कि अगर आप हैडफोन मदद से संगीत सुनते हैं तो आवाज ज्यादा तेज ना हो। इससे कान खराब होने का डर होता है।

पढ़ना और लिखना

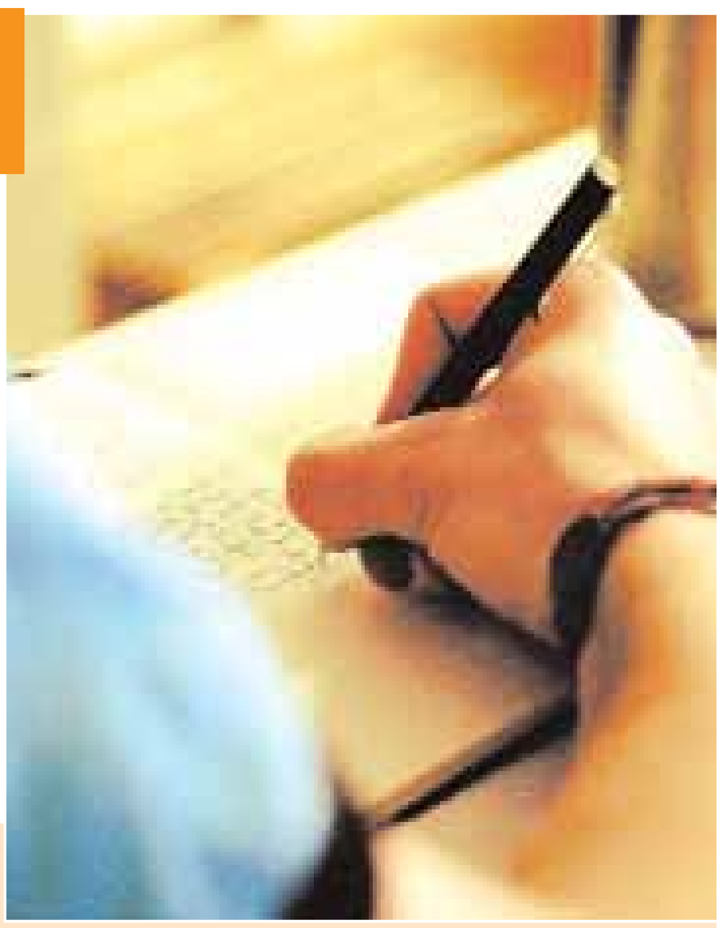

मन को शांत रखने के लिए पढ़ना और लिखना बहुत ही पुराना तरीका है। अच्छी किताबे पढ़ते समय आपको आश्चर्य होगा कि आप उनमें कितनी जल्दी खो जाते हैं कि आपको आस-पास की दुनिया की भी खबर नहीं रहती। अच्छी किताब पढ़ें, अपना ज्ञान बढ़ाएं और अपने आपको नई उर्जा से सरोबार करें। जब आप दिमाग में चलने वाली बातों को पर्सनल डायरी लिखने से समस्याओं को क्रिएटिव तरीके से दूर करने का मौका मिलता है और यह आपकी कल्पनाशीलता को बढ़ाता है। शोधकर्ताओ का मानना है कि प्रतिदिन की गतिविधियों और भावनाओं को लिखने से आत्मनिरीक्षण में मदद मिलती है। इससे मन को शांत रखने में मदद मिलती है।

डांस

डांसिंग यूं तो एक मनोरंजन का ही साधन माना गया है लेकिन क्या आप जानते हैं कि डांस अर्थात् नृत्य करके आप अपनी सारी चिंताएं और तनाव दूर भगा सकते हैं। यह शरीर को उत्तेजित कर मन को विस्तार करने की अनुमति देता है। ताई ची, एक धीमी गति का डांस है। इसके अभ्यास से तनाव कम होता है। हालांकि कोई ऐसी रिसर्च तो नहीं हुई है जिसमें ताई-ची के तनाव पर प्रत्यक्ष प्रभाव के बारे में बताया गया हो लेकिन ताई-ची के अभ्यास के दौरान जिस श्वसन, गतिविधि और मानसिक एकाग्रता की आवश्यकता होती है, वह आपका ध्यान व्यस्त जीवनशैली से हटा देता है। मन और शरीर के कनेक्शन के लिए विशेष ध्यान की जरूरत होती है, जो शरीर में शांति लाता है। यह मजेदार शौक भी, दिल और फेफड़ों की हालत में सुधार में मदद करता है, आत्मविश्वास को बढ़ता है और एरोबिक फिटनेस को बढ़ावा देता है।

प्रेम देखने का प्रयास करें

मन जब अशांत रहता है तब इंसान का ध्यान भटकता है। ऐसे में आप अपने आस-पास की छोटी-छोटी चीजों को देखकर खुश रहने की कोशिश करें। लोगों की आलोचना व उनके बारे में सोचना बंद कर दें। हर किसी के अंदर बुराई देखने की जगह प्रेम तलाशने की कोशिश करें।

कुकिंग

हालांकि कुछ लोगों के लिए कुकिंग थकाऊ घरेलू काम हो सकता है, लेकिन जो लोग इसका आनंद लेते हैं उन लोगों के लिए यह सुखद और तनाव को कम करने वाला शौक है। यह आपके दिमाग को साफ करने वाली चिकित्सा के रूप में, और एक रचनात्मक आउटलेट के रूप में कार्य करता है। खाना बनाने से आप उसे बनाने पर ध्यान देते हैं और कोशिश करते हैं कि इसे कैसे टेस्टी बनाया जाए, चूंकि यह आपको अपनी कल्पना और रचनात्मकता दिखाना का मौका देता है इसलिए यह आपकी चिंताओं को मिटा कर तनाव से राहत देने का काम करता है।

बागवानी

बागवानी एक पुरस्कृत शौक है और साथ ही तनाव को कम करने वाला भी। बागवानी आपको प्रकृति के नजदीक लाती है। मिट्टी की गंध, हवा और सूरज की रोशनी यह सभी दिमाग को शांत और मन को बेहतर बनाने में मदद करते है। इसके अलावा, बागवानी में कार्यो का दोहराव की प्रकृति मन को शांत करने में मदद करती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया मस्तिष्क की कोशिकाओं को न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन का उत्पादन करने में मदद करते हैं, जो अवसादरोधी की तरह कार्य करता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि मिट्टी का बैक्टीरिया व्यवहार सीखने में भी मदद करता है। इसके अलावा जब हम बाहर खुले वातावरण में जाकर पौधे लागते, उनमें पानी देते हैं और फूलों की प्रशंसा करते हैं तो हमारा दिमाग प्राकृतिक रूप से रिलैक्स महसूस करता है।

पेंटिंग

कला के माध्यम से दुनिया का बेहतर तरीके से उद्धार किया जा सकता है। पेटिंग अपने मन को शांत करने का बहुत ही सुंदर और सुखदायक तरीका है। अलग-अलग रंग के एनर्जी का स्तर अलग होता है और आपके मूड को प्रभावित करता है। नीले को शांति, बैंगनी को रचनात्मकता और मेडिकेशन, हरे को ताजगी, पीले को आशावाद, नारंगी को उत्साह और लाल को जुनून के साथ जुड़ा हुआ पाया जाता है। इस मनोरंजक हॉबी से आपकी रचनात्मकता बढ़ने लगती है जिससे आपका दिमाग तेज बनता है।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

16 मई को है बुद्ध पूर्णिमा

जानिए शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व

वैशाख महीने में पूर्णिमा तिथि बौद्धों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है। यह बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध की जयंती का प्रतीक है। इस दिन को बुद्ध पूर्णिमा, बुद्ध जयंती या वेसाक भी कहा जाता है। इस साल बौद्ध प्रबुद्ध की 2584वीं जयंती है। हालांकि पारंपरिक कैलेंडर चंद्र चक्र के अनुसार निर्धारित किया जाता है। इसलिए ग्रेगोरियन कैलेंडर में तारीख हर साल बदलती रहती है। इस साल बुद्ध पूर्णिमा 16 मई को मनाई जाएगी।

बुद्ध पूर्णिमा का महत्व

पौराणिका कथाओं के अनुसार सिद्धार्थ गौतम (गौतम बुद्ध) का जन्म लुंबिनी में राजा शुद्धोदन और मायादेवी से हुआ था। वह कपिलवस्तु में एक आलीशान महल में पले-बढ़े। हालांकि उन्होंने कम उम्र में भौतिकवादी सुखों और अपव्यय को त्याग दिया। उन्होंने मानवीय कष्टों को देखने के बाद शाश्वत सत्य की खोज की। इस प्रकार एक शाही परिवार में जन्म सिद्धार्थ, प्रबुद्ध बन गए। उन्होंने एक बरगद के पेड़ के नीचे ध्यान करते हुए ज्ञान प्राप्त किया।

सालों बाद बोधगया में ज्ञान प्राप्त करने के बाद गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया। ऐसा कहा जाता है कि बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के पांच सप्ताह बाद बोधगया से सारनाथ की यात्रा की। जब गौतम बुद्ध बोधगया में थे। तब उनके पांच तपस्वी शिष्य पंचवर्गिका, सारनाथ में ऋषिपटन गए थे। ज्ञान प्राप्त करने के बाद बुद्ध ने अपना पहला उपदेश देने के लिए सारनाथ की ओर प्रस्थान किया। इसलिए दुनिया भर के बौद्ध शांति, भाईचारे और सद्भाव के सबसे बड़े अधिवक्ताओं में से एक को श्रद्धांजलि देने के लिए बुद्ध पूर्णिमा मनाते हैं।

महान आदर्श नारीत्व का प्रतीक है

वट सावित्री व्रत पूजन

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या वट सावित्री अमावस्या कहलाती है। इस दिन सौभाग्यवती महिलाएं अखंड सौभाग्य प्राप्त करने के लिए वट सावित्री व्रत रखकर वटवृक्ष और यमदेव की पूजा करती हैं। भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक एवं पर्याय है। वट सावित्री व्रत में वट और सावित्री, दोनों का विशेष महत्व है।

वट सावित्री व्रत कथा

» सावित्री राजा अश्वपति की पुत्री थीं, जिसे राजा ने बहुत कठिन तपस्या करने के उपरांत देवी सावित्री की कृपा से प्राप्त किया था। इसलिए राजा ने उनका नाम 'सावित्री' रखा था। सावित्री बहुत गुणवान और रूपवान थी, लेकिन उसके अनुरूप योग्य वर न मिलने के कारण सावित्री के पिता दुखी रहा करते थे। इसलिए उन्होंने अपनी कन्या को स्वयं अपना वर तलाश करने भेज दिया और इस तलाश में एक दिन वन में सावित्री ने सत्यवान को देखा और उसके गुणों के कारण मन में ही उसे वर के रूप में चुन लिया। सत्यवान साल्व देश के राजा द्युमत्सेन के पुत्र थे, लेकिन उनका राज्य किसी ने छीन लिया था और काल के प्रभाव के कारण सत्यवान के माता–पिता अंधे हो गये थे।

नारद जी ने सावित्री को किया था आगाह

» सत्यवान व सावित्री के विवाह से पूर्व ही नारद मुनि ने यह सत्य सावित्री को बता दिया था कि सत्यवान अल्पायु है, अत: वह उससे विवाह न करे। यह जानते हुए भी सावित्री ने सत्यवान से विवाह करने का निश्चय किया और देवर्षि नारद से कहा, ₹भारतीय नारी जीवन में मात्र एक बार पति का वरण करती है, बारंबार नहीं। अत: मैंने एक बार ही सत्यवान का वरण किया है और यदि उसके लिए मुझे मृत्यु से भी लड़ना पड़े तो मैं यह करने को तैयार हूं।

जब सत्यवान के प्राण लेने आए यमराज

» उधर, सत्यवान की मृत्यु का समय निकट आने लगा। मृत्यु से तीन दिन पूर्व ही सावित्री ने अन्न–जल का त्याग कर दिया। मृत्यु वाले दिन जंगल में जब सत्यवान लकड़ी काटने के लिए गये तो सावित्री भी उनके साथ गईं और जब मृत्यु का समय निकट आ गया तब सत्यवान के प्राण हरने लिए यमराज आए तो सावित्री भी उनके साथ चलने लगी। यमराज के बहुत समझाने पर भी वह वापस लौटने को तैयार नहीं हुई। तब यमराज ने उससे सत्यवान के जीवन को छोड़कर अन्य कोई भी वर मांगने को कहा।

सावित्री ने बुद्धिमत्तापूर्ण मांगा यमराज से पति के प्राण

» उस स्थिति में सावित्री ने अपने अंधे सास–ससुर की नेत्र ज्योति और ससुर का खोया हुआ राज्य मांग लिया, किंतु वापस लौटना स्वीकार न किया। उसकी अटल पतिभक्ति से प्रसन्न होकर यमराज ने जब पुन: उससे वर मांगने को कहा तो उसने सत्यवान के पुत्रों की माँ बनने का बुद्धिमत्तापूर्ण वर माँगा, यमराज के तथास्तु कहते ही मृत्युपाश से मुक्त होकर वटवृक्ष के नीचे पड़ा हुआ सत्यवान का मृत शरीर जीवित हो उठा। तब से अखंड सौभाग्य प्राप्ति के लिए इस व्रत की परंपरा आरंभ हो गयी और इस व्रत में वटवृक्ष व यमदेव की पूजा का विधान बन गया।